प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-180 | सांध्य दैनिक | मथुरा, मंगलवार, 25 अगस्त 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

शून्य हो गया 1570 उपभोक्ताओं के घरों का बिजली बिल

जिले के 8469 उपभोक्ताओं ने अपनाया सोलर रूफ टॉप

पीएम सूर्य घर से जल रही बिजली, बिल में बचत की रोशनी

यूनिक समय, मथुरा। ग्रिड कनेक्टेड रूफटॉप सोलर पॉवर प्लांट से नाता जोड़ने वाले करीब 1570 उपभोक्ताओं का बिजली बिल शून्य हो गया है, जबकि पीएम सूर्य घर अपनाकर जिले के करीब 8469 उपभोक्ता अब हर माह हजारों रुपये की बिजली बिल बचा रहे हैं। सोलर पद्धति से जुड़कर ऐसे उपभोक्ता

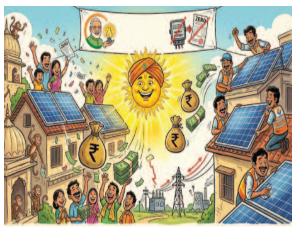

प्रतिदिन सूरज की रोशनी से चार मेगा वाट बिजली का भी उत्पादन भी कर रहे हैं।

जिले में अब सोलर सिस्टम को अपनाने के लिए उपभोक्ता अब आगे आ रहे हैं। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को अपनाने की गति भी बढ़ने लगी है। घरेलू आवासों की छतों पर अब प्लेट लगी दिखने लगी हैं। करीब 86 वेंडर उपभोक्ताओं के घरों पर सौर सिस्टम लगाने का काम कर रहे हैं। अब तक 8469 उपभोक्ता सूरज की रोशनी से बिजली बनाने की इस पद्धति को लगवा चुके हैं। ऐसे उपभोक्ता अब प्रतिदिन करीब चार मेगावाट बिजली उत्पादन भी कर रहे हैं, जो करीब चार हजार किलो वाट होता है। यूपी नेडा के परियोजना अधिकारी एसके वर्मा ने बताया कि पीएम सूर्यघर योजना के साथ ही पीएम कुसुम सी–1, सी–2 आदि योजना से लोगों को जोड़ा जा रहा है। लोग इस सिस्टम को अपनाकर बिजली की खपत बचाने के साथ ही खुद के आर्थिक बोझ को भी कम कर सकते हैं।

सरकार संबंधित योजनाओं के लिए अनुदान दे रही है। योजना की जानकारी के लिए 9415609023 पर जानकारी ली जा सकती है।

पीएम सूर्यघर योजना के प्रमुख लाभ

प्लांट की अनुमानित लागत करीब 60,000 रुपये प्रति किलोवाट। कमीशनिंग के बाद सब्सिडी सीधे डीबीटी के जरिए लाभार्थी के खाते में। सोलर पैनलों की कार्य क्षमता लगभग 25 वर्ष। तीन किलोवाट का प्लांट मात्र 1800 रुपये मासिक ईएमआई पर उपलब्ध। बिजली बिल में दो तिहाई तक की बचत। मात्र 5.75 प्रतिशत वार्षिक ब्याज पर बैंक लोन। यूपीनेडा में पंजीकृत वेंडर से ही सोलर रूफटॉप प्लांट लगवाएं, वेंडर का चयन सोच–समझकर करें।

हो रही बचत, बिजली बिल हुआ शून्य

नेडा कार्यालय के अनुसार, 8469 उपभोक्ता में शामिल 1570 ऐसे उपभोक्ता हैं, जिनका बिजली बिल शून्य या शून्य से नीचे हो गया है, जबकि सौ रुपये तक बिल देने वाले उपभोक्ता 13 सौ और सौ से पांच सौ रुपये मासिक बिल देने वाले उपभोक्ता करीब 36 सौ हैं।

कितने किलोवाट पर क्या है व्यवस्था

संयंत्र की क्षमता	केंद्र	राज्य का अनुदान	संयंत्र की लागत	उपभोक्ता का अंशदान
1 केवी	30000	15000	65000	20000
2 केवी	60000	30000	130000	40000
3 केवी	78000	30000	180000	72000
4 केवी	78000	30000	240000	132000
5 केवी	78000	30000	275000	167000
6 केवी	78000	30000	330000	222000
7 केवी	78000	30000	385000	277000
8 केवी	78000	30000	400000	292000
9 केवी	78000	30000	450000	342000
10 केवी	78000	30000	500000	392000

चढ़ावे की पाई–पाई का हिसाब रखेगा बांके बिहारी मंदिर

यूनिक समय, मथुरा। श्री बांके बिहारी मंदिर में श्रद्धालुओं की ओर से दिए जाने वाले चढ़ावे की कथित हेराफेरी और धनराशि के गलत तरीके से निकाले जाने के आरोपों पर सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को सख्त रुख अपनाया। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिया कि श्रद्धालुओं का एक–एक पैसा मंदिर की दानपेटी में डाला जाए या ऑनलाइन माध्यम से सीधे मंदिर के कोष में जमा कराया जाए। चढ़ावे की राशि को किसी भी स्तर पर इधर–उधर करने की अनुमति नहीं होगी।

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ के समक्ष मंदिर के कामकाज की निगरानी कर रही उच्चाधिकार प्राप्त समिति की स्थिति

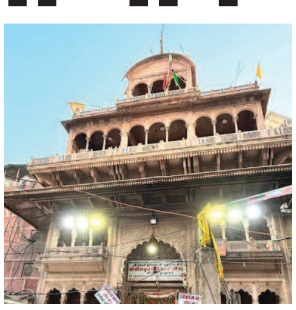

रिपोर्ट पेश की गई। वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने अदालत को मामले की गंभीरता से अवगत कराया। इस दौरान मंदिर परिसर से संबंधित तस्वीरें और एक वीडियो भी अदालत के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अदालत को बताया गया कि वीडियो में तीन लोग मंदिर की पारंपरिक दानपेटी यानी गोलक के सामने खड़े दिखाई दे रहे हैं। आरोप है

मंदिर के चढ़ावे पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, हर राशि दानपेटी या मंदिर कोष में होगी जमा

कोर्ट की सख्ती चढ़ावे की निगरानी में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश

कि ये लोग श्रद्धालुओं से चढ़ावे के रूप में धनराशि लेकर उसे पॉलीथिन की थैलियों में जमा कर रहे थे। इस पर पीठ ने चिंता जताते हुए कहा कि मंदिर में चढ़ावे के संग्रह की व्यवस्था पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि श्रद्धालुओं की ओर से दी गई प्रत्येक राशि दानपेटी अथवा ऑनलाइन माध्यम से मंदिर के कोष तक पहुंचनी चाहिए। पीठ ने यह भी स्पष्ट किया कि सेवायतों या किसी अन्य व्यक्ति की ओर से मंदिर की कोषागार व्यवस्था में किसी प्रकार की बाधा को गंभीरता से लिया जाएगा।

अदालत ने मंदिर प्रबंधन समिति को कोषागार व्यवस्था में पारदर्शी प्रणाली लागू करने के निर्देश दिए हैं। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं के चढ़ावे का पूरा हिसाब मंदिर के आधिकारिक अभिलेखों में दर्ज करना है। सुप्रीम कोर्ट ठाकुर श्री बांके बिहारी मंदिर की प्रबंधन समिति की ओर से दाखिल याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा है। अदालत के निर्देशों से मंदिर के चढ़ावे की व्यवस्था में पारदर्शिता बढ़ने और श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े धन के दुरुपयोग पर रोक लगने की उम्मीद है।

व्हाट्सएप कॉल के जरिए 6.13 लाख रुपये की ऑनलाइन ठगी

यूनिक समय, मथुरा। वृंदावन निवासी के साथ व्हाट्सएप कॉल के जरिए 6.13 लाख रुपये की ऑनलाइन वित्तीय ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज किया गया।

थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी के अनुसार, विजय चड्ढा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 14 अगस्त को उनके पास व्हाट्सएप पर एक कॉल आई। कॉल करने वाले व्यक्ति ने बैंक खाते की केवाईसी पूरी करने की बात कही। इसके बाद कथित तौर पर उनके मोबाइल पर एक ओटीपी भेजा गया, जिसे उन्होंने कॉल करने वाले व्यक्ति को बता दिया। शिकायत के मुताबिक, इसके बाद आरोपी ने उनके मोबाइल को हैक कर लिया और उनके बैंक खाते से 6.13 लाख रुपये निकाल लिए।

पीड़ित ने घटना के बाद तत्काल

1930 हेल्पलाइन पर शिकायत दर्ज कराई। शिकायत संख्या 33108260206378 बताई गई है। पुलिस को बैंक स्टेटमेंट और आधार कार्ड की कॉपी सहित अन्य दस्तावेज भी उपलब्ध कराए गए हैं। मामले में पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एफआईआर में आरोपी के रूप में एक अज्ञात व्यक्ति और व्हाट्सएप नंबर का उल्लेख किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आरोपी की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं।

असर यूनिक समय में समाचार प्रकाशित होने के बाद हरकत में आया पूर्ति विभाग

आपूर्ति विभाग ने खंगाले सात चीनी गोदाम

यूनिक समय, कोसीकलां। यूनिक समय में चीनी की जमाखोरी चरम पर, आपूर्ति विभाग ने नहीं की गोदामों की जांच शीर्षक से खबर प्रकाशित होने के बाद आपूर्ति विभाग हरकत में आ गया। मंगलवार को विभागीय अधिकारियों की संयुक्त टीम ने नगर के बड़े थोक विक्रेताओं के गोदामों पर छापेमारी कर चीनी के स्टॉक की जांच की। कार्रवाई से थोक बाजार में खलबली मच गई।

पूर्ति निरीक्षक मोहन प्रकाश उपाध्याय, मार्केटिंग इंस्पेक्टर विजय कुमार और कृषि अनाज मंडी सचिव उमेश चौधरी की संयुक्त टीम ने सात बड़े थोक विक्रताओं के यहां जांच की।

अधिकारियों ने गोदामों में मौजूद

कोसीकलां में चीनी गोदाम की जांच करते अधिकारी।

चीनी के स्टॉक का भौतिक सत्यापन किया और स्टॉक रजिस्टर भी खंगाले।

जांच के दौरान गोयल एजेंसी के

थोक विक्रेताओं के यहां नही मिला स्टाक दर्शाने वाला बोर्ड, दी गई चेतावनी

गोदाम में 1300 कुंटल, कृष्णा इंटरप्राइजेज में 500 कुंटल, विनोद कुमार एंड ब्रदर्स में 650 कुंटल, सुभाष चंद रमनलाल में 250 कुंटल और दीपक ट्रेडर्स में 60 कुटल चीनी का स्टॉक मिला। अन्य गोदामों की भी अधिकारियों ने जांच की।

अधिकारियों के अनुसार, किसी भी गोदाम में तारीख के साथ स्टॉक की जानकारी प्रदर्शित करने वाला बोर्ड नहीं मिला। इस पर सभी संबंधित व्यापारियों को सख्त चेतावनी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि व्यापारी निर्धारित सीमा से अधिक चीनी का भंडारण न करें और प्रतिदिन तारीख के साथ स्टॉक बोर्ड लगाना सुनिश्चित करें।

टीम ने गोदामों में रखी बोरियों का मौके पर सत्यापन किया और दस्तावेजों से स्टॉक का मिलान किया। कार्रवाई के दौरान कई व्यापारियों में अफरा–तफरी का माहौल रहा। टीम के पहुंचने की सूचना मिलते ही कुछ व्यापारी अपने गोदाम बंद कर मौके से चले गए। विभागीय अधिकारियों ने नियमों का पालन नहीं करने वाले व्यापारियों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई की चेतावनी दी है।

कोसीकलां में तीन लाख का 1200 किलो संदिग्ध पनीर नष्ट

यूनिक समय, कोसीकलां/ मथुरा। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने कोसीकलां क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब तीन लाख रुपये कीमत का 1200 किलोग्राम संदिग्ध पनीर बरामद किया। पनीर की गुणवत्ता संदिग्ध मिलने और उसके क्रय–विक्रय से संबंधित अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए जाने पर विभाग ने तीन नमूने लेकर जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेज दिए। वहीं अस्वच्छ, दूषित और संदिग्ध पाए गए पूरे पनीर को जनहित में मौके पर ही नष्ट करा दिया गया।

सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन और मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी कमलेश कुमार त्रिपाठी के नेतृत्व में खाद्य सचल दल कोसीकलां क्षेत्र में खाद्य पदार्थों की जांच कर रहा था।

इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग–दो स्थित हाईवे किंग ढाबे पर बोलेरो को रोककर जांच की गई। निरीक्षण के दौरान वाहन चालक और मालिक सत्यवीर निवासी ग्राम खेड़ली जालो, थाना कामां जिला डीग ने बताया कि वाहन में करीब 1200 किलोग्राम पनीर बिक्री के लिए ले जाया जा रहा था। इसकी अनुमानित कीमत तीन लाख रुपये बताई गई। अधिकारियों ने पनीर की खरीद और बिक्री से संबंधित अभिलेख मांगे, लेकिन कारोबारी कोई दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर सका।

कोसीकलां में संदिग्ध पनीर के साथ पकड़ी गई बोलेरो के साथ सहायक आयुक्त खाउ डा. जतिन कुमार आदि।

हाईवे ढाबे पर बोलेरो से मिला पनीर, खरीद बिक्री के कागज नहीं दिखा सका कारोबारी

तीन नमूने जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे, रिपोर्ट आने पर होगी आगे की कार्रवाई

पनीर की गुणवत्ता पर संदेह होने पर खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने तीन नमूने संग्रहित किए और उन्हें जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया। विभाग के अधिकारियों के मुताबिक, जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद संबंधित कारोबारी के खिलाफ नियमानुसार अग्रिम कार्रवाई की जाएगी। कार्रवाई करने वाली टीम में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह, मोहर सिंह कुशवाह, अरुण कुमार और दिनेश भारती शामिल रहे।

अब पनीर भी हो गया महंगा

खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की ताबड़तोड़ कार्रवाई के बाद अब जिले में पनीर भी महंगा हो गया है। मिलावटी और सिथेंटिक पनीर की सप्लाई बंद होने से लोगों को भी बेहतर गुणवत्ता वाला पनीर मिल रहा है, जो बाजार में 350 से 400 रुपये किलो तक है।

घेवर और पेड़ा के भी लिए नमूने

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन त्यौहार को लेकर खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने मंगलवार को विभिन्न स्थानों पर निरीक्षण कर खाद्य पदार्थों के सात नमूने संग्रहित किए। सहायक आयुक्त खाद्य डॉ. जतिन कुमार सिंह के निर्देशन में खाद्य सचल दल ने बाजना स्थित बजरंग डेयरी (प्रो. सत्तो) से पनीर और स्किम्ड मिल्क पाउडर के एक–एक नमूने लिए। वीरेन्द्र डेयरी से मिश्रित दूध, शिवम डेयरी (प्रो. जितेन्द्र सिंह) से पनीर का नमूना लिया गया। भूतेश्वर तिराहे स्थित मिष्ठान भंडार से घेवर और पेड़ा के नमूने संग्रहित किए गए। सभी नमूनों को जांच के लिए राजकीय खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। टीम में राज्य सचलदल सदस्य मोहर सिंह कुशवाह, खाद्य सुरक्षा अधिकारी रीना शर्मा और नेहा, शामिल रहे।

पराविधिक स्वयंसेवकों के साक्षात्कार 27 को

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण और जनपद न्यायाधीश-अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण विकास कुमार के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा पराविधिक स्वयंसेवकों के चयन के लिए पात्र अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 27 अगस्त को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, जनपद न्यायालय के कार्यालय में आयोजित किया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव ने बताया कि साक्षात्कार में सम्मिलित होने वाले अभ्यर्थी मध्यान्ह 02:30 बजे तक कार्यालय में उपस्थित होकर रिपोर्टिंग करें। साक्षात्कार निर्धारित समयानुसार प्रारम्भ किया जाएगा। अभ्यार्थियों को अपने सभी प्रमाण पत्र लाना आवश्यक है।

नववर्ष मेला समिति का रक्तदान शिविर कल

यूनिक समय, मथुरा। रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में नववर्ष मेला समिति के तत्वावधान में सदभावना चैरिटेबल ब्लड बैंक के सहयोग से रक्तदान शिविर सरस्वती शिशु मन्दिर दीनदयाल नगर मथुरा में 26 अगस्त को प्रातः 10 बजे से सायं पांच बजे तक आयोजित होगा। यह जानकारी समिति महामंत्री प्रदीप श्रीवास्तव ने दी है। मीडिया प्रभारी मुकेश शर्मा ने बताया है कि रक्तदाताओं के लिए उपहार, जलपान के साथ प्रमाण–पत्र और वालन्टियर कार्ड भी दिया जाएगा, जिससे वह भविष्य में अपनी आवश्यकतानुसार ब्लड प्राप्त कर सकते हैं।

अनिल यदुवंशी अध्यक्ष हरेकृष्ण शर्मा बने मुख्य सचिव

एसोसिएशन ऑफ एफिलिएटिड स्कूल्स की नई कार्यकारिणी गठित

अनिल यदुवंशी   हरे कृष्ण शर्मा

यूनिक समय, मथुरा। एसोसिएशन ऑफ एफिलिएटिड स्कूल्स, मथुरा की महत्वपूर्ण बैठक 23 अगस्त को आयोजित हुई। इसमें जिले के विद्यालयों से जुड़े विभिन्न विषयों और समस्याओं पर चर्चा की गई। बैठक के दौरान सर्वसम्मति से एसोसिएशन की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

साधारण सभा की बैठक में अनिल यदुवंशी को अध्यक्ष और हरे कृष्ण शर्मा एडवोकेट को मुख्य सचिव चुना गया। इसके अलावा अन्य पदाधिकारियों का भी मनोनयन किया गया। नवनिर्वाचित कार्यकारिणी ने विद्यालयों से संबंधित समस्याओं के प्रभावी समाधान और विद्यालयों, प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने को प्राथमिकता देने की बात कही। कार्यकारिणी पदाधिकारियों ने कहा कि विद्यालयों के संबंध में शासन और प्रशासन की ओर से जारी होने वाले विभिन्न आदेशों-निर्देशों को समझना, उनकी उचित व्याख्या करना और विद्यालयों के समक्ष आने वाली समस्याओं का समाधान कराना संगठन की प्रमुख जिम्मेदारी होगी।

एसोसिएशन का उद्देश्य जिले के सभी विद्यालयों के साथ बेहतर तालमेल स्थापित करते हुए शैक्षिक वातावरण को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। कार्यकारिणी विद्यालयों के हित में निरंतर सक्रिय रहकर शिक्षा क्षेत्र से जुड़े मुद्दों को उचित मंच पर उठाएगी।

एसोसिएशन रचनात्मक और सकारात्मक वातावरण तैयार करने के लिए मिलकर कार्य करेगी।

किराये के मकान से सोने–चांदी का सामान चोरी, मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। थाना वृंदावन क्षेत्र में किराये के मकान से सोने–चांदी के सामान चोरी होने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने मकान मालिक के खिलाफ चोरी का मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली निवासी पीड़ित हेमंत शर्मा ने बताया कि वह वर्तमान में वृंदावन के चैतन्य विहार फेस–1 में रह रहे हैं। 21 अगस्त को जब वह किराये के मकान में पहुंचे तो उन्हें पता चला कि मकान मालिक वैभव जोशी उर्फ चार्मी जोशी उनके सामान के साथ फरार है। पीड़ित ने पुलिस को सूचना दी। बताया कि चोरी गए सामान में सोने की चेन के साथ करीब दो तोले के आभूषण, चांदी का दर्पण करीब 900 ग्राम, चांदी का करवा/झारी करीब 650 ग्राम, चांदी का पाद/पात्र करीब 250 ग्राम, चांदी की घंटी करीब 800 ग्राम और चांदी के सिंहासन की प्रभातजी/बैकसाइड शामिल है। पुलिस शिकायत में लगाए गए आरोपों की जांच कर रही है।

नगर निगम में जनसुनवाई, 14 शिकायतें दर्ज

संभव कार्यक्रम के तहत नगर आयुक्त ने अधिकारियों को समय सीमा में शिकायतों के निस्तारण के दिए निर्देश

नगर निगम कार्यालय में जनसुनवाई करते हुए नगर आयुक्त ओजस्वी राज।

यूनिक समय, मथुरा। जन शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निस्तारण के लिए मंगलवार को नगर निगम में 'संभव' संतुष्टि एवं समृद्धि कार्यक्रम के तहत जनसुनवाई हुई। भूतेश्वर स्थित नगर निगम कार्यालय में नगर आयुक्त ओजस्वी राज और अपर नगर आयुक्त सुनीता कुमारी ने लोगों की शिकायतें सुनीं।

वृंदावन जोन में सहायक नगर आयुक्त नीरज शर्मा और सिटी जोन के जनरल गंज कार्यालय में अवर अभियंता अजय कुमार ने जनसुनवाई की। नगर आयुक्त ने शिकायतकर्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुनकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी शिकायतों का निर्धारित समय सीमा में निस्तारण होना चाहिए। भूतेश्वर जोन में छह शिकायतें प्राप्त हुईं। इनमें दो अतिक्रमण, एक लाइट और निर्माण, दो स्वास्थ्य विभाग और एक फॉगिंग से संबंधित शिकायत थी। फॉगिंग की शिकायत का मौके पर ही निस्तारण करा दिया गया। वहीं, वृंदावन जोन में आठ शिकायतें मिलीं। इनमें एक सफाई, पांच जलकल विभाग से संबंधित सीवर सफाई-पेयजल, एक निर्माण और एक नजूल विभाग से जुड़ी शिकायत शामिल रही। अधिकारियों को सभी शिकायतों का समय सीमा के भीतर निस्तारण करने के निर्देश दिए गए। जनसुनवाई में सहायक नगर आयुक्त अनुज कौशिक, अधिशासी अभियंता निर्माण अमरेंद्र गौतम, सहायक अभियंता जल हेमेन्द्र गौतम, नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रामगोपाल और अवर अभियंता विद्युत यंत्र शैलेश सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

वृंदावन की मुथूट फिनकॉर्प में 1.15 करोड़ की धोखाधड़ी

यूनिक समय, मथुरा। मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड की वृंदावन शाखा में सोने के आभूषणों को गिरवी रखकर ऋण लेने के नाम पर 1.15 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। कंपनी के वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक की शिकायत पर वृंदावन कोतवाली पुलिस ने शाखा प्रबंधक, गोल्ड एप्रेजर, बीडीई और ग्राहकों समेत कुल 27 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है।

मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड में वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक गीतेश शर्मा की ओर से दर्ज कराए गए मुकदमे में बताया गया कि 31 जुलाई 2025 से 23 जुलाई 2026 के बीच कई ग्राहकों ने वृंदावन शाखा में सोने के आभूषण गिरवी रखकर ऋण लिया। इसके बाद कंपनी की आंतरिक जांच और सोने की गुणवत्ता

शाखा के प्रबंधक, गोल्ड एप्रेजर, ग्राहक समेत 27 पर आरोप, मुकदमा दर्ज

की जांच में कई आभूषणों की शुद्धता को लेकर गंभीर अनियमितताएं सामने आईं।

शिकायत के अनसार, धोखाधड़ी में शामिल ग्राहकों ने अलग–अलग तारीखों में सोने के आभूषण गिरवी रखकर ऋण लिया। कंपनी की ओर से आंतरिक स्वर्ण लेखा परीक्षा और गोल्ड निरीक्षण के बाद सरकारी मूल्यांकनकर्ता से भी आभूषणों की जांच कराई गई। जांच में कई मामलों में सोने की शुद्धता 10 से 20 प्रतिशत तक पाए जाने का उल्लेख है। कुछ खातों में शुद्धता शून्य प्रतिशत तक दर्ज की गई।

प्राथमिकी में दर्ज ऋण विवरण के अनुसार, कुल 27 ऋण खातों में 1,17,51,086 रुपये की ऋण राशि दर्ज है। इन खातों में गिरवी रखे गए आभूषणों का कुल सकल वजन 1,402.02 ग्राम बताया गया है। इनमें 164.04 ग्राम वजन को संदिग्ध बताया गया, जबकि 1,237.98 ग्राम शुद्ध वजन दर्ज किया गया। कई मामलों में लाखों रुपये का ऋण जारी किए जाने का विवरण भी एफआईआर में दर्ज है। मुथूट फिनकॉर्प लिमिटेड में वरिष्ठ क्षेत्रीय प्रबंधक गीतेश शर्मा के अनुसार, कुछ ग्राहकों ने नकली अथवा मिलावटी आभूषणों को सोने के आभूषण बताकर गिरवी रखा और उनके आधार पर ऋण प्राप्त किया।

इनके खिलाफ दर्ज हुआ है मुकदमा

सोने की इस धोखाधड़ी में धंजय शर्मा शाखा प्रबंधक, देवानंद वारियर सीएसई/गोल्ड एप्रेजर, तुषार सैनी बीडीई, गौरव यादव, पवन कुमार, हाकिम सिंह, राजीव लातूरी सिंह, प्रदीप, भगवान दास, नवीन कंचन, रिंकी गौरव, अजीत सुरेश, गौरी गुप्ता, धर्मेंद्र रमेश, अवधेश कुंतल, सत्याम वर्मा, जगदीश सिंह, नरेश कुमार, सचिन कुमार, यश गौतम, योगेश नेत्रपाल, राहुल कुमार, धर्मेंद्र चौधरी, जितेंद्र कुमार और वीरेंद्र सिंह शामिल हैं।

युवती को बहला–फुसलाकर ले जाने का आरोप, तीन के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, वृंदावन। कोतवाली क्षेत्र में एक युवती को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाने और परिजनों को धमकी देने का मामला सामने आया है। युवती के पिता की तहरीर पर पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

शिकायत के अनुसार, 24 अगस्त की रात करीब दो बजे अक्षय पुत्र बब्बा, उसकी मां सोमवती और एक अन्य व्यक्ति द्वारा एक युवती को बहला–फुसलाकर अपने साथ ले जाया गया। शिकायतकर्ता ने बताया कि अक्षय रिश्तेदारी के कारण वृंदावन आता–जाता था। युवती के पिता ने पुलिस को दी तहरीर में आरोप लगाया कि घटना से करीब दो दिन पहले उन्हें फोन पर धमकी भी दी गई थी। आरोप है कि बेटी को अक्षय के साथ भेजने से इन्कार करने पर उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी दी गई और बेटी को जबरन अपने साथ ले जाने की बात कही गई। पीड़ित ने पुलिस से बेटी को बरामद कराने और आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जमीन खरीदने के नाम पर 50 लाख रुपये लेने का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। गोविंद नगर थाना क्षेत्र में जमीन खरीदने के नाम पर 50 लाख रुपये लेने और रकम वापस मांगने पर धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पीड़ित मोहन सिंह पुत्र स्व. रामबाबू निवासी लसहाना, थाना छाता ने बताया कि वर्ष 2024 में जयप्रकाश और प्रकाश पुत्रगण मोतीसिंह ने पीड़ित से जमीन खरीदने के लिए 50 लाख रुपये की आवश्यकता बताई थी। आरोप है कि दोनों ने रकम लेने के बाद चार–पांच महीने में पैसे वापस करने का आश्वासन दिया। पीड़ित और उसकी पत्नी विमलेश ने विश्वास करते हुए 20 लाख रुपये बैंक ट्रांसफर के माध्यम से और 30 लाख रुपये नकद दिए। इस दौरान परिवार के कुछ अन्य लोग भी मौजूद बताए गए हैं।

शिकायत में आरोप लगाया गया है कि तय समय बीतने के बाद जब पीड़ित ने रकम वापस मांगी तो आरोपियों ने टालमटोल शुरू कर दी। 27 जुलाई

गोविंद नगर क्षेत्र का है मामला, चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

2026 को सुबह करीब 10 बजे पीड़ित अपनी पत्नी और अन्य लोगों के साथ गोविंद नगर स्थित एफ–502, 100 फुटा, चौकी क्षेत्र डीग गेट स्थित बताए गए आवास पर रकम मांगने पहुंचा। आरोप है कि वहां जयप्रकाश, प्रकाश, कमलेश और सोनिया ने उसके साथ अभद्रता की और रकम वापस करने से इनकार कर दिया। पीड़ित ने पुलिस को दी तहरीर में यह भी आरोप लगाया कि आरोपियों ने गंभीर मुकदमों में फंसाने और जान से मारने की धमकी दी। घटना के बाद उसने अपने रिश्तेदारों को जानकारी दी और पुलिस से सुरक्षा और आरोपियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की। पुलिस ने शिकायत के आधार पर जयप्रकाश, प्रकाश, कमलेश और सोनिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस आरोपों, रकम के लेन–देन और अन्य तथ्यों की जांच कर रही है।

पशु चिकित्सक का शव रेलवे ट्रेक पर मिला

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र स्थित रेलवे ट्रेक पर एक पशु चिकित्सक का शव मिला। बताया गया कि वह फोन पर बात करते रेलवे ट्रेक के समीप चला गया और ट्रेन से कट गया।

बताया गया कि थाना हाईवे की विकास नगर कॉलोनी में रहने वाले पशु चिकित्सक रामप्रकाश छौंकर को आज प्रातः फोन पर कोई कॉल आई। कॉल को सुनते हुए वह बाहर निकल गया। इसके बाद वह काफी देर बाद भी घर नहीं लौटे। उनके घर के सामने ही उनके साले जनार्दन सिंह का आवास है। पिता के देर तक न लौटने पर बच्चों ने जनार्दन सिंह को फोन कर के इस बारे में बताया। जनार्दन सिंह अपने जीजा रामप्रकाश छौंकर को तलाश करने के लिए निकल गए। रास्ते में

फोन पर आई कॉल को सुनता हुआ निकला था घर से बाहर

परिवार में मच गया कोहराम

उन्हें कुछ लोगों ने बताया कि रेलवे ट्रेक के समीप कोई व्यक्ति कटा पड़ा है। जनार्दन सिंह ने वहां पहुंचकर देखा तो उसके होश उढ़ गए। शव किसी और का नहीं उसके जीजा का था।

घटना का पता लगने पर परिवार में कोहराम मच गया। जनार्दन ने बताया कि घर में किसी तरह का कोई विवाद नहीं था। पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ढाबे के ऑफिस में घुसकर मारपीट चार के खिलाफ मुकदमा

यूनिक समय, मथुरा। राया थाना क्षेत्र में ढाबे के ऑफिस में घुसकर मारपीट करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पुष्पेन्द्र सिंह निवासी जाबरा, थाना मांट, मथुरा, राया कट स्थित रूद्र लशवा ढाबा पर खाने का स्टॉल चलाते हैं। पुष्पेन्द्र ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 24 अगस्त की रात करीब 10:40 बजे वह अपने साथी सतीश और जितेन्द्र के साथ ढाबे के अकाउंट ऑफिस में मौजूद थे।

इसी दौरान राजेन्द्र निवासी एदलगढ़ी थाना नौहझील, हर्ष, विनीत, नरेंद्र उर्फ पप्पू निवासी जाबरा थाना मांट, अकाउंट ऑफिस में पहुंचे। आरोपियों ने उस के साथ मारपीट की और गाली–गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। कार्यालय में लगे कैमरों में घटना रिकॉर्ड हो गई। पुलिस घटना से जुड़े साक्ष्यों और सीसीटीवी फुटेज की जांच के साथ मामले में कार्रवाई कर रही है।

फुटपाथ पर चढ़ी स्कार्पियो एक राहगीर घायल

यूनिक समय,मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र में स्कार्पियो फुटपाथ पर चढ़ गई, जिससे एक राहगीर घायल हो गया। वहीं, थाना मगोर्रा के जाजमपट्टी इलाके में अनियंत्रित ट्रेलर के खाई में गिरने से चालक चोटिल हो गया।

थाना रिफाइनरी क्षेत्र स्थित टाउन शिप के समीप एक तेज रफ्तार स्कार्पियो फुटपाथ पर चढ़ गई। इसके चलते वहां अफरा–तफरी मच गई। स्कार्पियो से कुचलकर एक व्यकित बुरी तरह से घायल हो गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को जिला असप्ताल में भर्ती कराया है। इसके साथ ही स्कार्पियो चला रहे बालाजीपुरम निवासी हिमांशु को गिरफ्तार कर लिया। स्कार्पियो में सवार इंदूपुरम निवासी अनुभव और औरंगाबाद निवासी रिया भी सवार थी। पुलिस दोनों के बारे में जानकारी कर रही है।

जाजमपट्टी इलाके में अनियंत्रित ट्रेलर खाई में गिरा, चालक घायल

दूसरी दुर्घटना थाना मगोर्रा के जाजमपट्टी इलाके में हुई। बताया गया कि एक ट्रेलर अचानक सड़क किनारे बनी गहरी खाई में गिर गया। तेज आवाज को सुनकर आस–पास के लोग घटनास्थल की ओर दौड़े मौके पर पहुंचे लोगों ने ट्रेलर में फंसे चालक को किसी तरह बाहर निकाला। चालक को हल्की चोट आई थी। बाद में ट्रेलर को निकलवाया गया।

कारागार में बंदी महिलाएं तैयार कर रहीं आकर्षक राखियां

ईको अनुकूल और मोतियों वाली बन रहीं हैं राखियां

जन्माष्टमी के लिए भगवान की पोशाक भी तैयार

जिला कारागार में बंदियों द्वारा बनाई जाने वाली भगवान की आकर्षक पोशाक और राखियां।

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन पर्व को लेकर जिला कारागार में निरुद्ध महिला बंदियों की रचनात्मकता देखने को मिल रही है। महिला बंदियों द्वारा इस बार ईको अनुकूल राखियों के साथ मोतियों से सजी आकर्षक राखियां तैयार की जा रही हैं। इसके अलावा जन्माष्टमी पर्व को देखते हुए भगवान के लिए सुंदर पोशाक बनाने का काम भी चल रहा है। कारागार में तैयार होने वाली राखियां और पोशाक जल्द ही बिक्री के लिए लगाए जाने वाले स्टॉल पर उपलब्ध रहेंगी।

कारागार अधीक्षक अंशुमान गर्ग ने बताया कि पिछले वर्ष की तरह इस बार भी रक्षाबंधन को ध्यान में रखते हुए महिला बंदियों को राखियां तैयार करने का अवसर दिया गया है। खजानी कल्याण संस्था के सहयोग से जिला कारागार में करीब 20 महिला बंदियां राखियां तैयार करने में जुटी हैं। इनमें ईको अनुकूल सामग्री से बनाई जा रही राखियों के साथ मोतियों से तैयार की जाने वाली रंग–बिरंगी राखियां भी शामिल हैं। महिला बंदियों द्वारा प्रतिदिन करीब 100 से 200 राखियां तैयार की जा रही हैं। राखियों को आकर्षक रूप देने के लिए विभिन्न प्रकार के मोतियों, धागों और सजावटी सामग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है। इससे महिला बंदियों को अपनी प्रतिभा दिखाने के साथ हुनर को निखारने का अवसर भी मिल रहा है। रक्षाबंधन के बाद जन्माष्टमी पर्व को लेकर भी कारागार में तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। महिला बंदियों द्वारा भगवान के लिए आकर्षक पोशाक तैयार की जा रही हैं। इनमें रंग–बिरंगे कपड़ों और सजावटी सामग्री का प्रयोग किया जा रहा है।

अधीक्षक ने बताया कि कारागार के बाहर एक स्टॉल लगाकर महिला बंदियों द्वारा तैयार राखियों और भगवान की पोशाक की बिक्री की जाएगी। इससे बंदियों के हुनर को बाजार तक पहुंचाने के साथ उन्हें आर्थिक रूप से प्रोत्साहित करने का प्रयास होगा। वहीं, रक्षाबंधन के दिन कारागार में निरुद्ध पुरुष बंदियों की बहनें यदि किसी कारण से अपने भाई के लिए राखी नहीं ला पाती हैं तो उन्हें कारागार में तैयार राखी उपलब्ध कराई जाएगी। इससे पर्व पर भाई–बहन के रिश्ते की भावनात्मक डोर भी जुड़ी रहेगी।

पुष्टाहार से बने स्वादिष्ट व्यंजनों की हुई कुकिंग प्रतियोगिता

पुष्टाहार से बने व्यंजन दिखाती आंगनबाड़ी कार्यकर्ता।

यूनिक समय, मथुरा। बाल विकास विभाग की ओर से बच्चों को मिलने वाले पुष्टाहार को अधिक स्वादिष्ट और पौष्टिक बनाने के उद्देश्य से राजीव भवन सभागार में कुकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें जनपद के सभी विकासखंडों के साथ शहरी क्षेत्र में कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग किया।

प्रतियोगिता में महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से उपलब्ध कराए जाने वाले पुष्टाहार से तैयार किए गए विभिन्न प्रकार के व्यंजन लेकर पहुंचीं। गठित निर्णायक टीम ने सभी व्यंजनों का स्वाद चखकर उनकी गुणवत्ता, पौष्टिकता, स्वच्छता और प्रस्तुतीकरण का मूल्यांकन किया। प्रतिभागियों ने उपलब्ध पुष्टाहार से नए और आकर्षक व्यंजन तैयार कर अपनी पाक कला का प्रदर्शन किया। कार्यवाहक जिला कार्यक्रम अधिकारी योगेंद्र सिंह ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और लाभार्थियों को यह संदेश देना है कि विभाग से मिलने वाले पुष्टाहार का उपयोग केवल पारंपरिक तरीके से करने तक सीमित नहीं है। इससे विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट और पौष्टिक व्यंजन तैयार किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि पुष्टाहार को अलग–अलग रूप में बच्चों को परोसने से उनमें भोजन के प्रति रुचि बढ़ेगी और उन्हें आवश्यक पोषण भी मिलेगा। प्रतियोगिता के माध्यम से कार्यकत्रियों को नवाचार के लिए प्रोत्साहित किया गया।

श्री रामलीला संस्थान का चुनाव लटका रामभक्तों में मायूसी

यूनिक समय,कोसीकलां। नगर के श्री रामलीला संस्थान का चुनाव लेट होने से रामभक्तों में भारी मायूसी है। रामलीला जैसे भव्य धार्मिक आयोजन की तैयारी के लिए कम से कम करीब ढेड महीने का समय लगता है, लेकिन अभी तक चुनाव की कोई तारीख तय न होने से तैयारियां शुरू नहीं हो पाई है।

हर साल चुनाव समय पर हो जाते थे, नई कार्यकारिणी गठित होकर लीला मंचन, कलाकारों का चयन, पोशाक, मंच सज्जा और चंदा संग्रह जैसे कार्यों में जुट जाती थी। इस बार चुनाव में हो रही देरी से पूरा शेड्यूल गड़बड़ा गया है। रामभक्तों का कहना है कि अगर जल्द चुनाव नहीं हुए तो कम समय में रामलीला की भव्यता प्रभावित होगी। लीला की तैयारी जल्दबाजी में करनी पड़ेगी, जिसका असर आयोजन की गुणवत्ता पर पड़ेगा। नगरवासियों ने संस्थान के वरिष्ठ पदाधिकारियों और प्रशासन से मांग की है कि शीघ्र चुनाव की तिथि घोषित कर नई कार्यकारिणी का गठन किया जाए, ताकि समय रहते रामलीला महोत्सव की तैयारियां शुरू हो सकें।

डॉ. निम्बालकर ने कार्यकर्ताओं से किया सीधे संवाद

नंदगांव क्षेत्र के कांग्रेस कार्यकर्ताओं से संवाद करती अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की सचिव डॉ. अंजलि निम्बालकर।

यूनिक समय, मथुरा। कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत द्वितीय चरण में दूसरे दिन नंदगांव और छाता ब्लॉक में आयोजित बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की राष्ट्रीय सचिव औरमथुरा की मुख्य पर्यवेक्षक डॉ अंजलि निम्बालकर पहुंचीं।

जिला कांग्रेस के अध्यक्ष मुकेश धनगर ने बताया कि संगठन सृजन अभियान के तहत जनपद मथुरा के चार दिवसीय दौरे पर डॉ. अंजलि निम्बालकर आई हैं। अभियान के दूसरे दिन उन्होंने नंदगांव और छाता ब्लॉक में एक महत्वपूर्ण बैठक की। ब्लॉक और बूथ स्तर पर संगठन को मजबूत बनाने के लिए कार्यकर्ताओं से सीधे संवाद किया।

उन्होंने ब्लॉक स्तर के पदाधिकारियों, न्याय पंचायत अध्यक्षों और वरिष्ठ कार्यकर्ताओं के साथ एक–एक कर व्यक्तिगत वार्ता (वन–टू–वन संवाद) किया। संगठन के विस्तार,

नंदगांव और छाता ब्लाक में हुई कांग्रेस की बैठक

जमीनी स्तर की चुनौतियों और आगामी रणनीतियों पर चर्चा करते हुए कार्यकर्ताओं का फीडबैक लिया। सहयोगी कोऑर्डिनेटर शिवराम वाल्मीकि और प्रतिमा सिंह ने कार्यकर्ताओं से कहा कि कांग्रेस पार्टी की वास्तविक ताकत उसके बूथ स्तर के कार्यकर्ता हैं। जब तक हमारा जमीनी ढांचा मजबूत नहीं होगा, तब तक हम जनता की आवाज को मजबूती से नहीं उठा सकते है।

बैठक का संचालन छाता नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष हेम कुमार गुप्ता ने किया। उपस्थित कांग्रेस जनों में आसिफ कुरैशी, सुरेंद्र बोहरे, प्रमोद शर्मा,राजेश गुप्ता, बलबीर प्रधान, मनोज गौड़, करन निषाद, सुभाष द्विवेदी, संजय राणा, शाहिद, हाशिम, केशव देव आदि शामिल हैं।

संशोधन प्रार्थना पत्र पर हिंदू पक्ष दाखिल करेगा आपत्ति

श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह प्रकरण में अगली सुनवाई 18 सितंबर को

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह मस्जिद प्रकरण में मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। न्यायमूर्ति अविनाश सक्सेना की अदालत में हुई सुनवाई के दौरान संशोधन प्रार्थना पत्र पर हिंदू पक्ष को आपत्ति दाखिल करने का अवसर दिया गया। अदालत ने इसके लिए हिंदू पक्ष से आपत्ति मांगी है। अब मामले की अगली सुनवाई 18 सितंबर को होगी।

हिंदू पक्षकार महेंद्र प्रताप सिंह एडवोकेट ने बताया कि मंगलवार को अदालत में संशोधन प्रार्थना पत्र पर सुनवाई हुई। अदालत ने हिंदू पक्ष को इस पर अपनी आपत्ति दाखिल करने के लिए कहा है। इसके बाद मामले में आगे की न्यायिक प्रक्रिया जारी रहेगी। श्रीकृष्ण जन्मभूमि–शाही ईदगाह विवाद में मंगलवार की सुनवाई पर पहले से ही पक्षकारों और समर्थकों की नजर थी। 18 सितंबर को हिंदू पक्ष की आपत्ति और उसके बाद मामले की न्यायिक प्रक्रिया को लेकर आगे की दिशा स्पष्ट होने की उम्मीद है। सुप्रीम कोर्ट में लोक अदालत और प्रतिनिधि वाद पर अभी सुनवाई होनी है।

उमस भरी गर्मी ने किया बेहाल बिजली कटौती से संकट

यूनिक समय, मथुरा। उमस भरी गर्मी ने मंगलवार को लोगों का जीना मुश्किल कर दिया। पूरे दिन आसमान में मटमैली धूप छाई रही, जिससे गर्मी और उमस दोनों बढ़ गईं। सुबह से ही हवा में नमी अधिक होने के कारण लोगों को पसीने से राहत नहीं मिली। दोपहर होते- होते गर्मी का असर जब बढ़ गया, हल्की बूंदाबांदी हो गई।

शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक लोग गर्मी से परेशान नजर आए। तेज धूप और उमस के कारण बाजारों में भी लोगों की आवाजाही पर असर दिखाई दिया।

जरूरी काम से घरों से निकले लोग गर्मी से बचने के लिए छांव का सहारा लेते नजर आए। कई जगह लोग दुकानों और पेड़ों के नीचे बैठकर गर्मी से राहत पाने की कोशिश करते रहे। ग्रामीण क्षेत्रों में गर्मी के साथ बिजली की समस्या ने लोगों की परेशानी और बढ़ा दी। बिजली कटौती होने पर घरों में रहना मुश्किल हो गया। पंखे और कूलर बंद होने से लोग घरों से बाहर निकलने को मजबूर हुए। गांवों में कई लोग पेड़ों के नीचे बैठकर कुछ समय बिताया। ओमवीर सिंह ने कहा कि लगातार बढ़ रही उमस के कारण शरीर चिपचिपा रहता है और थोड़ी देर घर में बैठना भी मुश्किल हो जाता है। दिनभर गर्मी से परेशान लोगों को शाम के समय भी खास राहत नहीं मिली।

आत्महत्या को प्रेरित करने वाली महिला को पांच साल की कैद

12 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया महिला ने मृतक को पीटा था चप्पल और झाड़ू से

यूनिक समय, मथुरा। एडीजे एफटीसी प्रथम ने राधेश्याम कॉलोनी में एक युवक के साथ कॉलोनीवासियों के सामने महिला द्वारा झाड़ू और चप्पलों से पीटने पर अत्महत्या करने के मामले में महिला को पांच साल की सजा और 12 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

अभियोजन के अनुसार, थाना गोविंदनगर क्षेत्र स्थित राधेश्याम कॉलोनी में रहने वाले एक युवक के साथ करन सिंह की पत्नी ने कॉलोनी वासियों के सामने चप्पल और झाड़ू से मारपीट की थी। युवक ने अपने को अपमानित महसूस करते हुए आत्महत्या कर ली थी। इस मामले में थाना गोविंदनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। पुलिस ने महिला के खिलाफ आरोप पत्र न्यायालय में प्रेषित किया। मुकदमे की सुनवाई एफटीसी कोर्ट प्रथम के न्यायालय में हुई। न्यायाधीश ने गवाहों की गवाही और पत्रावली पर उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर महिला को उक्त सजा से दंडित किया।

मानदेय बढ़ा, फिर भी मथुरा के पीआरडी जवानों का त्यौहार फीका

सीडीओ की गाड़ी रोककर जवानों ने सुनाई परेशानी

अधिकारी के सेवानिवृत्त होने से भुगतान प्रक्रिया अटकी

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रांतीय रक्षक दल के जवानों के मानदेय में बढ़ोतरी कर उन्हें त्यौहारी सौगात दी है, लेकिन मथुरा के करीब 300 जवानों के लिए त्यौहार की खुशियां फीकी हैं। जवानों को पिछले दो महीने से वेतन नहीं मिला है। मंगलवार को नाराज जवान राजीव भवन में एकत्रित हुए और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. पूजा गुप्ता की गाड़ी रोककर अपनी समस्या बताई। सीडीओ के जल्द समाधान के आश्वासन के बाद जवान गाड़ी के आगे से हटे।

बताया गया कि जिला युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल अधिकारी प्रेमशंकर गौतम 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो गए थे। इसके बाद विभाग का अतिरिक्त प्रभार डीसी मनरेगा को सौंपा गया। विभागीय अधिकारी की अनुपस्थिति के कारण जवानों के वेतन भुगतान की प्रक्रिया प्रभावित हुई और करीब 300 से अधिक जवानों का मानदेय अटक गया। जवानों ने कहा कि त्यौहार नजदीक है और दो महीने से वेतन नहीं मिला। ऐसे में परिवार का खर्च चलाना मुश्किल हो रहा है। सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता ने कहा कि समस्या के जल्द समाधान का प्रयास किया जाएगा।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए, राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–3550761
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के अध्यक्ष निर्वाचित हुए रजनीकांत अग्रवाल

मनोज बंसल चुने गए मंत्री सचिन अग्रवाल बने कोषाध्यक्ष

ब्रज चिकित्सा संस्थान के निर्विरोध अध्यक्ष बने मट्टोमल

ब्रज चिकित्सा नर्सिंग के निर्विरोध निदेशक बने राजेंद्र हाथी वाले

श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के त्रिवार्षिक चुनाव की मतगणना के बाद घोषित किए गए विजयी प्रत्याशी।

यूनिक समय, मथुरा। मंगलवार को श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल रजिस्टर्ड द्वारा संचालित संस्थाओं के त्रिवर्षीय वार्षिक चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान हुआ। चंपा अग्रवाल विद्या मंदिर जूनियर हाई स्कूल में सुबह 10 बजे से शाम चार बजे तक चले मतदान के दौरान सदस्यों ने उत्साह के साथ मतदान किया। शाम को आए परिणाम के दौरान श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल के अध्यक्ष पद के लिए रजनीकांत अग्रवाल को निर्वाचित घोषित किया गया, जबकि मनोज बंसल और सचिन अग्रवाल ने भी जीत हासिल की।

मुख्य चुनाव अधिकारी सुभाष चंद्र अग्रवाल सिक्का, सह चुनाव अधिकारी मनीष गर्ग और सह चुनाव अधिकारी राजीव अग्रवाल चौकसी की देखरेख में हुए तीन वर्षीय निर्वाचन के लिए सुबह से ही मतदान स्थल पर उत्साह का माहौल नजर आया। सदस्यों ने श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल और मंडल द्वारा संचालित संस्थाओं के लिए मतदान किया। इस दौरान 105 साल पुरानी संस्था के इस चुनाव के दौरान सदस्य मतदान की खोज खबर लेते रहे। मुख्य चुनाव अधिकारी ने बताया कि श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल रजिस्टर्ड के चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए ओमप्रकाश मित्तल और रजनीकांत अग्रवाल के बीच मुकाबला हुआ, जिसमें ओमप्रकाश मित्तल को 47 वोट मिले, जबकि रजनीकांत अग्रवाल को 76 वोट मिले। अध्यक्ष पद के इस मुकाबले में रजनीकांत अग्रवाल को 29 वोटों से विजयी घोषित किया गया। वहीं, मंत्री पद के लिए मनोज बंसल को 79 और नागेंद्र मोहन मित्तल एडवोकेट को 45 वोट मिले, इस पद पर मनोज बंसल को 34 वोटों से विजयी घोषित किया गया, जबकि कोषाध्यक्ष पद पर सचिन अग्रवाल ने बाजी मारी। सचिन को 87 और पवित्र अग्रवाल को 37 वोट मिले। चुनाव अधिकारी ने सचिन को 52 वोटों से विजयी घोषित किया, जबकि उपाध्यक्ष पद पर गौर शरण अग्रवाल गोरी 25 वोटों से विजयी हुए।

मुख्य चुनाव अधिकारी सुभाष चंद्र अग्रवाल सिक्का के अनुसार, चंपा अग्रवाल विद्या जूनियर हाई स्कूल के मंत्री पद के लिए संजय अग्रवाल 84 वोटों से विजई हुए। ब्रज चिकित्सा संस्थान के लिए मट्टोमल अग्रवाल को निर्विरोध अध्यक्ष चुना गया, वहीं ब्रज चिकित्सा संस्थान स्कूल ऑफ नर्सिंग के निदेशक पद के लिए राजेंद्र अग्रवाल हाथी वाले को निर्विरोध निदेशक चुना गया। ब्रज चिकित्सा संस्थान स्कूल ऑफ नर्सिंग के उपाध्यक्ष पद पर उमेश चंद अग्रवाल जुगसना वाले 47 वोटों से बाजी मार ले गए। उन्होंने अपने प्रतिद्वंद्वी उमेश भारतीय को हराया। नर्सिंग स्कूल उपनिदेशक के लिए राजीव कुमार अग्रवाल ने अपने प्रतिद्वंदी राजेश कुमार मित्तल को 24 वोटो से हराया। कार्यकारिणी के लिए अजय कुमार अग्रवाल, देवेश अग्रवाल, डॉ. निर्विकल अग्रवाल, नवीन कुमार गर्ग, शशिकांत जिंदल, तनुज भारतीय निर्वाचित घोषित हुए।

बीएसए इंजीनियरिंग कालेज चेयरमैन पद को कड़ी टक्कर, बराबरी पर रहा मुकाबला

यूनिक समय, मथुरा। श्री अग्रवाल शिक्षा मंडल द्वारा संचालित बीएसए इंजीनियरिंग कालेज के चेयरमैन पद के लिए प्रदीप अग्रवाल और नवीन मित्तल के बीच एक- एक वोट के लिए टक्कर होती रही। चुनाव में विशाल बंसल 'ताजा पानी' वाइस चेयरमैन बने। मतगणना समाप्त होने के बाद दोनों प्रत्याशियों को 48-48 वोट मिले। टाई मुकाबले के बाद दोनों प्रत्याशी हैरान दिखे। वहीं, वाइस चेयरमैन पद के लिए विशाल बंसल चुने गए, जबकि सदस्य पद के लिए प्रमोद गर्ग कसेरे, माधव अग्रवाल,अदुत्य गोयल, राहुल अग्रवाल शोरा वाले, उमंग मित्तल, उमेश कुमार अग्रवाल और विमल अग्रवाल को चुना गया।

खेलो इंडिया संवाद में खेल, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण पर युवाओं से होगा संवाद

27 अगस्त को केआर महाविद्यालय और बीएसए महाविद्यालय में होगा आयोजन

कार्यक्रम की जानकारी देते जिला युवा अधिकारी अमित कुमार, प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल, डॉ. अशोक कुमार कौशिक, डॉ. नवीन अग्रवाल, डॉ कपिल कौशिक।

यूनिक समय, मथुरा । राष्ट्रीय खेल दिवस पर 27 अगस्त को केआर पीजी महाविद्यालय और बीएसए महाविद्यालय में खेलो इंडिया संवाद, खेल की बात पीएम के साथ कार्यक्रम का आयोजन होगा।

जिला युवा अधिकारी अमित कुमार, प्राचार्य प्रो. प्रवीण कुमार अग्रवाल, एनएसएस जिला नोडल अधिकारी डॉ.अशोक कुमार कौशिक, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. नवीन अग्रवाल, एनसीसी प्रभारी लेफ्टिनेंट डॉ. कपिल कौशिक ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेरा युवा भारत, युवा कार्यक्रम और खेल मंत्रालय, राष्ट्रीय सेवा योजना की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को खेल, फिटनेस और राष्ट्र निर्माण के राष्ट्रीय विजन से जोड़ना है। कार्यक्रम 27 अगस्त को सुबह 10 बजे देशभर के प्रत्येक जिले में चयनित दो महाविद्यालयों में एक साथ आयोजित किए जाएंगे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का वर्चुअल संबोधन होगा, संबोधन के बाद स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम की गतिविधियां शुरू होंगी। इसमें स्थानीय खिलाड़ियों और युवा आइकॉन के बीच खेल जगत से जुड़े विषयों पर संवाद होगा। जिला युवा अधिकारी अमित कुमार ने बताया कि युवा संवाद कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा होगा, जिसमें युवाओं के विचार, सुझाव और आकांक्षाएं सुनी जाएंगी और उन्हें निर्धारित प्रक्रिया के तहत दर्ज कर आगे भेजा जाएगा। कार्यक्रम के दौरान माय भारत पंजीकरण अभियान भी चलाया जाएगा, जिसके माध्यम से अधिक से अधिक युवाओं को माय भारत मंच से जोड़ा जाएगा।

बाइक सवार की सड़क हादसे में मौत

यूनिक समय,मथुरा। थाना नौहझील के बाजना के समीप ग्रामीण इलाके में कपड़े की फेरी कर बाइक से लौटते युवक को किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में युवक की मौत हो गई।

बताया गया कि नगला पदम थाना चंडोस जनपद अलीगढ़ ग्रामीण इलाके में कपड़ों की बिक्री के लिए फेरी करता था। वह नौहझील इलाके में फेरी करने के बाद बाइक से घर के लिए लौट रहा था। रास्ते में उसे किसी वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसके पास से मिले कागजात के आधार पर परिवारीजनों को उसके साथ हुए हादसे की सूचना दी। शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

ताईक्वांडो प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने वाली छात्रा पलक के साथ एसएसपी श्लोक कुमार,एसपी सिटी राजीव कुमार और एसपी क्राइम श्वेता यादव।

पीएमएस की छात्रा पलक ने ताईक्वांडो में जीता रजत पदक

यूनिक समय, मथुरा। सीबीएससी ताईक्वांडो गेम्स कलस्टर की बिजनौर स्थित मूलचंद एकेडमी में आयोजित प्रतियोगिता में पुलिस मॉर्डन स्कूल की खिलाड़ी पलक ने शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक हासिल कर मथुरा का गौरव बढ़ाया।

पुलिस मॉर्डन स्कूल की छात्रा पलक ने ताईक्वांडो 42 से 44 भार वर्ग अंडर 19 वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रतियोगिता में दूसरा स्थान हासिल कर रजत पदक अपने नाम कर लिया। छात्रा के प्रर्दशन पर एसएसपी श्लोक कुमार, एसपी सिटी राजीव कुमार, एसपी क्राइम श्वेता यादव, एसपी देहात सुरेशचंद रावत सहित अन्य पुलिस अधिकारियों ने बधाई देते हुए उसके उज्जवल भविष्य की कामना की। इसके साथ ही राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शुभकामानाएं दी।

देशभर से मिले 2,17,848 रक्षा सूत्र दीदी मां को किए समर्पित

यूनिक समय, वृंदावन। संविद् गुरुकुलम में मंगलवार को राष्ट्र रक्षा सूत्र बंधन यात्रा के 25 वर्ष पूरे होने पर रजत जयंती महोत्सव आयोजित किया गया। कार्यक्रम में देश की सीमाओं पर तैनात सैनिकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता और भाईचारे की भावना व्यक्त की गई। दीदी मां और स्वामी परमानंद गिरि की उपस्थिति में देशभर से प्राप्त रक्षा-सूत्र उन्हें समर्पित किए गए।

स्वामी परमानंद गिरि ने संविद् गुरुकुलम् और वात्सल्य ग्राम द्वारा शिक्षा, संस्कार, सेवा और राष्ट्र निर्माण के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि इन सेवा कार्यों से समाज और राष्ट्र को नई दिशा मिल रही है। दीदी मां ने कहा कि राष्ट्र रक्षा सूत्र भारत की गौरवशाली परंपरा, राष्ट्रभक्ति और भावनात्मक एकता का प्रतीक है। यह केवल एक धागा नहीं, बल्कि देश की सीमाओं की रक्षा करने वाले वीर जवानों और देशवासियों के बीच प्रेम, सम्मान और विश्वास का बंधन है। उन्होंने कहा कि 25 वर्षों से देश की बेटियां सैनिकों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने की इस परंपरा को आगे बढ़ा रही हैं। इस वर्ष देशभर से 1,11,000 रक्षा-सूत्र एकत्र करने का लक्ष्य रखा गया था। अब 2,17,848 रक्षा-सूत्र मिले है।

मथुरा-वृंदावन के 72 विद्यालयों ने भी भेजे रक्षा-सूत्र

मथुरा-वृंदावन के 72 विद्यालयों ने भी इस अभियान में भाग लेते हुए रक्षा-सूत्र समर्पित किए। कार्यक्रम में अखंड परमधाम से स्वामी ज्योतिर्मयानंद, अखंड परमधाम वृंदावन से चित् प्रकाशानंद, साक्षी चेतना, दिव्य चेतना,शिरोमणि, पूर्व ऊर्जा राज्यमंत्री रवीकांत गर्ग, ब्रज तीर्थ विकास परिषद के उपाध्यक्ष शैलजाकांत मिश्र, राजीव गुप्ता, मेजर जनरल पृथ्वी सिंह और जीएलए विश्वविद्यालय के कुलाधपति नारायणदास अग्रवाल सहित अन्य लोग मौजूद रहे। संचालन राधिका राजपूत और प्रीति सोनी ने किया। उमाशंकर राही ने व्यवस्थाओं में सहयोग किया।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में करियर मेले का आयोजन

यूनिक समय, मथुरा। विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और करियर चयन के लिए सही दिशा देने के उद्देश्य से राजीव इंटरनेशनल स्कूल में तथास्तु कंसलटेंसी सर्विस की ओर से करियर मेला-2026 आयोजित किया गया। मेले में शिक्षा विशेषज्ञों ने कक्षा 11 और 12 के विद्यार्थियों से संवाद कर उनकी करियर संबंधी जिज्ञासाओं का समाधान किया।

छात्र-छात्राओं की करियर संबंधी जिज्ञासा को दूर करते शिक्षा विशेषज्ञ।

शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया गया। मेले में विभिन्न विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा, व्यावसायिक पाठ्यक्रम, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के अवसरों की जानकारी दी। विद्यार्थियों को अपनी रुचि, योग्यता और क्षमता के अनुसार करियर का चयन करने के लिए प्रेरित किया गया।

विशेषज्ञों ने कहा कि नियमित अध्ययन, अनुशासन और निरंतर प्रयास सफलता की प्रमुख कुंजी हैं। विद्यार्थियों को लक्ष्य निर्धारित कर योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ने की सलाह दी गई। मेले में विद्यार्थियों ने विभिन्न करियर क्षेत्रों से जुड़े सवाल पूछे, जिनका

विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को दिए भविष्य के लिए सुझाव

विशेषज्ञों ने समाधान किया। तथास्तु के संस्थापक- मुख्य कार्यकारी अधिकारी उत्कर्ष गुप्ता ने कहा कि करियर के बढ़ते विकल्पों के कारण विद्यार्थी कई बार भ्रमित हो जाते हैं। ऐसे में सही मार्गदर्शन आवश्यक है। आर.के. एजुकेशनल ग्रुप के अध्यक्ष डॉ. रामकिशोर अग्रवाल, स्कूल चेयरमैन मनोज अग्रवाल और प्रधानाचार्य नंदिता ढींगरा ने भी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

रंगेश्वर महादेव का महारुद्राभिषेक दूल्हे राजा स्वरूप में सजे बाबा

छप्पन भोग अर्पित कर भक्तों ने किया दिव्य दर्शन

यूनिक समय, मथुरा। करीब 5500 वर्ष प्राचीन रंगेश्वर महादेव मंदिर में सावन के चतुर्थ सोमवार को श्रद्धा और भक्ति के साथ महारुद्राभिषेक किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भगवान शिव का अभिषेक कर विधि-विधान से पूजा-अर्चना की गई। इसके बाद बाबा रंगेश्वर महादेव का दूल्हे राजा के स्वरूप में भव्य श्रृंगार किया गया। भक्तों ने बाबा के दिव्य स्वरूप के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

दूल्हा के वेश में सजे रंगेश्वर महादेव।

महारुद्राभिषेक के बाद भगवान शिव को छप्पन भोग अर्पित किया गया। रात्रि में मंदिर के पुजारी लल्लू राम गोस्वामी ने रंगेश्वर महादेव की दिव्य आरती की। आरती के दौरान पूरा मंदिर प्रांगण ॐ नमः शिवाय और हर हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। व्यवस्थाओं में पुजारी कार्तिक गोस्वामी, बब्लू भैया, सीताराम, हर्षित हरिहर, हितेश सारस्वत, अनंत सैनी, लोकेंद्र वर्मा, रोबिन सिंह, हर्ष, सागर सैनी और तरुण सहित अन्य श्रद्धालुओं का सहयोग रहा।

लहरिया घटा में विराजमान होकर राजाधिराज ने दिए दर्शन

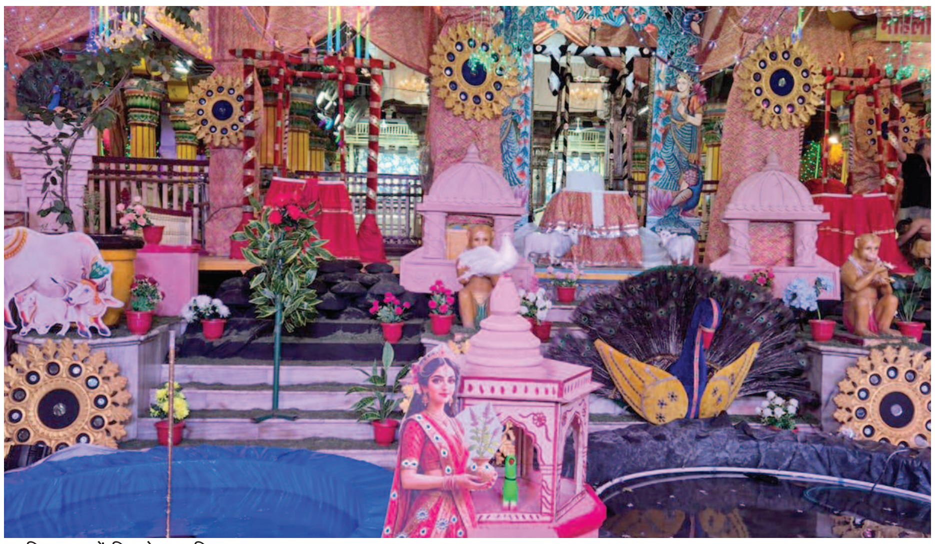

लहरिया घटा में विराजे राजाधिराज।

यूनिक समय, मथुरा। मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश में मंगलवार को राजाधिराज ने ठाकुर लहरिया घटा में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन दिए। इस अवसर पर मंदिर परिसर को सतरंगी लहरिया वस्त्रों, फूलों और आकर्षक रोशनी से भव्य रूप से सजाया गया। मंदिर में लगाए गए नौ आकर्षक हिंडोले श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। मंदिर के मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि मंदिर में होने वाले सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी के निर्देशानुसार किया जाता है। मंदिर मीडिया प्रभारी के अनुसार बुधवार शाम 5:10 बजे से 5:40 बजे तक राजाधिराज गुलाबी मखमली हिंडोले में विराजमान होकर भक्तों को दर्शन देंगे।

सर्विस रोड पर क्रेन माफिया का कब्जा, पुलिस-प्रशासन बेखबर

नंदगांव रोड पुल जाम और हादसों का बना ठिकाना शिकायतों के बाद भी नहीं होती कार्रवाई

यूनिक समय, कोसीकलां। नंदगांव रोड हाईवे पुल के समीप नेशनल हाईवे की सर्विस रोड पर क्रेन संचालकों ने अवैध अतिक्रमण कर रखा है। हाईवे किनारे की जमीन को खोदकर सर्विस रोड की एक पूरी लेन को घेर लिया गया है, जहां हर समय बड़ी-बड़ी क्रेनें खड़ी रहती हैं। इससे सर्विस रोड पूरी तरह से बाधित हो गई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार, सर्विस लेन पर कब्जे के कारण हाईवे से नगर की ओर आने-जाने वाले राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। दिन में जाम की स्थिति बनी रहती है, तो रात में दुर्घटना का खतरा कई गुना बढ़ जाता है। खड़ी क्रेनों के कारण सामने से आ रहे वाहनों का अंदाजा नहीं लग पाता, जिससे कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है। हैरानी की बात है कि इस खुले अतिक्राण ५की शिकायत कई बार पुलिस, प्रशासन और नगर पालिका से की जा चुकी है, लेकिन किसी भी विभाग ने आज तक ठोस कार्रवाई नहीं की। पुलिस की भूमिका पर सवाल उठ रहे हैं। खुलेआम हाईवे की जमीन पर कब्जा हो रहा है और पुलिस मूकदर्शक बनी हुई है। इससे लोगों में आक्रोश है। लोगों का कहना है कि बिना मिलीभगत के सर्विस रोड पर इस तरह कब्जा संभव नहीं है। नगर वासियों ने डीएम और एनएचएआई के उच्चाधिकारियों से मामले को संज्ञान में लेकर सर्विस रोड को अतिक्रमण मुक्त कराने और दोषी क्रेन संचालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

पंखे से लटका मिला युवती का शव

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा के गांव बछगांव में एक युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। माता-पिता के बीच दो साल से विवाद चल रहा था। युवती अपने पिता के पास रह रही थी। बताया गया कि बछगांव के नगला छतरी निवासी युदवीर सिंह और उनकी पत्नी नीतू देवी के दो साल से आपस में विवाद चल रहा है। नीतू अपने बेटे के साथ मायके डीग, राजस्थान में रह रही है। उसकी बेटी शिवानी (21) पिता के साथ रह रही थी। कल रात शिवानी ने अपने कमरे में फांसी लगा कर आत्महत्या करली। शिवानी का शव पंखे पर लटका मिला। पिता ने इस मामले में पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

नई ड्यूओमैटिक मशीन का किया निरीक्षण

नई ड्यूओमैटिक मशीन का टीम के साथ निरीक्षण करते मुख्य संरक्षा आयुक्त जनन कुमार गर्ग।

यूनिक समय, मथुरा। मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त जनक कुमार गर्ग ने मथुरा जंक्शन स्थित बाद डिपो और नई ड्यूओमैटिक मशीन का निरीक्षण किया। मथुरा जंक्शन पर कोयला बहुउद्देशीय वैगन और ड्यूओमैटिक मशीन के संबंध में प्रस्तुतीकरण के माध्यम से विस्तृत समीक्षा की गई। इसके बाद मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त ने बाद डिपो का निरीक्षण कर वैगन की कार्यप्रणाली और संरक्षा संबंधी पहलुओं का जायजा लिया। उन्होंने प्लासर इंडिया की अत्याधुनिक ड्यूओमैटिक 08-32 सी मशीन का भी निरीक्षण किया। यह मशीन रेलवे ट्रैक की उठान, समतलीकरण, संरेखन और टैम्पिंग के लिए उपयोग की जाती है। इसमें दो स्लीपर टैम्पिंग तकनीक के साथ एकीकृत ट्रैक सुधार की सुविधा है। मशीन में उन्नत डिजिटल प्रणाली, वास्तविक समय निगरानी, दूरस्थ निगरानी और आधुनिक संरक्षा सुविधाएं उपलब्ध हैं। यह मशीन लगभग एक घंटे में 1500 या उससे अधिक स्लीपरों पर कार्य करने में सक्षम है। उन्होंने बताया कि मशीन की कार्यक्षमता और परिचालन का परीक्षण करने के लिए बाद से मथुरा जंक्शन तक इसका परीक्षण भी किया गया।

मथुरा में 35 नव चयनित प्राविधिक सहायकों को मिले नियुक्ति पत्र

यूनिक समय, मथुरा। लखनऊ में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कृषि विभाग के नव चयनित 3446 प्राविधिक सहायकों और 126 मंडी सचिवों को नियुक्ति पत्र वितरित किए। इसका सजीव प्रसारण मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। इस दौरान डीएम चंद्र प्रकाश सिंह, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह सहित कृषि विभाग के अधिकारी मौजूद रहे।

कार्यक्रम के बाद डीएम ने मथुरा के 35 नव चयनित प्राविधिक सहायकों (समूह-ग) को नियुक्ति पत्र वितरित किए। उन्होंने सभी चयनित अभ्यर्थियों को बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी मेहनत, लगन और धैर्य का परिणाम है। उन्होंने नवनियुक्त सहायकों से कार्यों का निर्वहन पूरी निष्ठा, ईमानदारी, पारदर्शिता और जिम्मेदारी से करने का आह्वान किया। नियुक्ति पत्र पाकर अभ्यर्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

कल हजरत की योमे पैदाइश की तैयारियां शुरू

शाही ईदगाह सहित अन्य मस्जिद हो रही हैं जगमग

डीग गेट पर भी हो रही है भव्य सजावट

कल निकाला जाएगा जुलूसे मौहम्मदी

यूनिक समय, मथुरा। हजरत मोहम्मद के कल मनाए जाने वाले जन्म दिन की तैयारियां शहर में जोरों से शुरू की जा रही हैं। मस्जिदों को रंग बिरंगी लाइटों से सजाया जा रहा है। इसके साथ ही डीग गेट इलाके में लाइटिंग की जा रही है।

हजरत मोहम्मद साहब की कल होने वाली योमे पैदाइश को लेकर मुस्लिम समाज के लोगों द्वारा तैयारियां की जा रही हैं।

मुस्लिम इलाकों में लोग खुशियां मनाने की तैयारियां कर रहे हैं। शाही मस्जिद ईदगाह, चौकी की जामा मस्जिद सहित शहर की अलग-अलग मस्जिदों पर बिजली की सजावट की जा रही है। इसके साथ ही रात में मुस्लिम समुदाय के लोगों द्वारा रात में इबादत की जाएगी। इसको लेकर भी तैयारियां हो रही है। कल शहर में निकाले जाने वाले जुलूसे मुहम्मदी की भी तैयारियां हो रही है।

थाली बजाकर गोवर्धन तहसील पहुंचीं महिलाएं, जताया विरोध

यूनिक समय,मथुरा। गोवर्धन तहसील प्रशासन की कथित कार्यप्रणाली से नाराज महिलाओं ने मंगलवार को अनोखे अंदाज में विरोध प्रदर्शन किया। महिलाएं हाथों में थालियां लेकर उन्हें बजाते हुए तहसील परिसर पहुंचीं। उन्होंने थाली बजाकर प्रशासन को जगाने और अपनी समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित करने का संदेश दिया। प्रदर्शन का वीडियो भी इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित हो रहा है।

प्रदर्शनकारी महिलाओं ने तहसील प्रशासन पर भ्रष्टाचार सहित विभिन्न मामलों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। उनका कहना था कि क्षेत्र की कई समस्याओं को लेकर अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन अपेक्षित कार्रवाई नहीं हुई। शिकायतों का समय से निस्तारण नहीं होने के कारण लोगों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। महिलाओं ने कहा कि उनकी समस्याओं की निष्पक्ष जांच कराई जाए और यदि किसी स्तर पर अनियमितता सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

उन्होंने आम लोगों की शिकायतों का निर्धारित समय में निस्तारण कराने की भी मांग की। महिलाओं का कहना था कि थाली बजाकर प्रदर्शन करने का उद्देश्य प्रशासन का ध्यान जनसमस्याओं की ओर आकर्षित करना है।

ठाकुर ओमप्रकाश सिंह बने प्रदेशीय विद्युत जांच समिति के सभापति

एमएलसी ठाकुर ओमप्रकाश सिंह का स्वागत करते भाजपा कार्यकर्ता।

यूनिक समय, चौमुहां। प्रदेश की विद्युत व्यवस्था से जुड़े मामलों की जांच के लिए गठित 11 सदस्यीय प्रदेशीय विद्युत व्यवस्था संबंधी जांच समिति का सभापति ठाकुर ओमप्रकाश सिंह को नियुक्त किया गया है। विधान परिषद सचिवालय की ओर से जारी सूची में उन्हें वर्ष 2026-27 के लिए समिति का सभापति बनाया गया है। साथ ही उन्हें दर्जा प्राप्त राज्यमंत्री की जिम्मेदारी भी मिली है। यह जानकारी मिलते ही भाजपा नेताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। मंगलवार को गांव चौमुंहा पहुंचने पर भाजपा नेताओं और समर्थकों ने ठाकुर ओमप्रकाश सिंह का ढोल-नगाड़ों के फूल-मालाओं से स्वागत किया। महापौर विनोद अग्रवाल, पूर्व ऊर्जा मंत्री रविकांत गर्ग, पूर्व विधायक श्याम सिंह अहेरिया, महानगर अध्यक्ष राजू यादव और भाजपा जिलाध्यक्ष निर्भय पांडे समेत अन्य नेताओं ने उन्हें बधाई दी। स्वागत के दौरान दलवीर सिंह, उमेश प्रताप सिंह, कारे बाबा, प्रवीण पाल, बंटी सिसोदिया, मोहन श्याम पहलवान, सुंदर सिंह, जीतू सिसोदिया समेत बड़ी संख्या में भाजपा नेता और समर्थक मौजूद रहे।

नगर पालिका की मनमानी से दूषित हो रहा स्कूलों का माहौल

कोसी में 2000 बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर पालिका की मनमानी और लापरवाही का खामियाजा 2000 स्कूली बच्चों को भुगतना पड़ रहा है। पालिका प्रशासन ने नगर की सफाई की जिम्मेदारी को दरकिनार कर ओल्ड जीटी रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर और एमडी जैन पब्लिक स्कूल के मुख्य गेट और चारदीवारी के पास फुटपाथ पर ही कूड़ा डंपिंग जोन बना दिया है। पालिका कर्मचारियों द्वारा यहां रोजाना ट्रैक्टर-ट्रॉली से कूड़ा-कचरा डाला जा रहा है, साथ ही मृत पशुओं को भी वहीं फेंका जा रहा है। सड़े हुए कूड़े और मृत पशुओं से उठ रही असहनीय दुर्गंध के कारण स्कूल परिसर में बैठना तक मुश्किल हो गया है।

कक्षाओं में पढ़ रहे बच्चों को उल्टी और घुटन जैसी परेशानी हो रही है। गंदगी के कारण मच्छर और कीड़े पनप रहे हैं, जो डेंगू, मलेरिया जैसी गंभीर बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। कूड़े पर आवारा सांड और कुत्तों का जमावड़ा लगा रहता है। स्कूल आते-जाते छोटे-छोटे बच्चों को ये आवारा पशु दौड़ा लेते हैं। पालिका की इस लापरवाही से किसी दिन बड़ा हादसा हो सकता है।

इस संबंध में स्कूल प्रबंधन ने बीते साल 15 सितंबर को नगर पालिका चेयरमैन और अधिशासी अधिकारी को लिखित शिकायत दी थी। शिकायत के बाद कुछ दिन औपचारिकता के लिए कूड़ा डालना बंद किया गया, लेकिन फिर पालिका ने वहीं कूड़ा डालना शुरू कर दिया। इससे स्पष्ट है कि पालिका प्रशासन बच्चों के स्वास्थ्य को लेकर कितना गंभीर है। अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश मंत्री संजय बठैनिया ने डीएम को पत्र भेजकर पालिका के इस गैर-जिम्मेदाराना रवैये पर कड़ी कार्रवाई और कूड़ा डंपिंग को तत्काल दूसरी जगह शिफ्ट करने की मांग की है।

कुरकुंदा मार्ग के नव निर्माण कार्य को मिली स्वीकृति, क्षेत्रवासियों में खुशी

यूनिक समय, फरह। क्षेत्र के लोगों के लिए सड़क निर्माण से जुड़ी एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। महुअन- कुरकुंदा मार्ग के निर्माण कार्य को स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल है। इस मार्ग के निर्माण से स्थानीय लोगों को आवागमन में सुविधा मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

भाजपा मंडल उपाध्यक्ष भोला चौधरी ने बताया कि विधायक प्रतिनिधि पंकज प्रकाश ने इस मार्ग को स्वीकृत कराने में विशेष पहल की। वहीं, मथुरा-सादाबाद मार्ग से ब्रह्मांड घाट तक 3.5 किलोमीटर सड़क निर्माण का प्रस्ताव भी शासन को भेजा गया है।

नाम परिवर्तन

मैं भूपेश भारद्वाज पुत्र स्व0 श्री रामचरन शर्मा नि0-43, लक्ष्मीनगर कृष्णा नगर मथुरा मेरे आधारकार्ड में मेरा नाम भूपेश भारद्वाज (Bhupesh Bhardwaj) दर्ज है जो की सत्य है जबकि मेरे पास पोर्ट में मेरा नाम भूपेश भरद्वाज (Bhupesh Bharadwaj) दर्ज है जो की गलत है अब से भविष्य के सभी कामो के लिए मुझे मेरे सही नाम भूपेश भारद्वाज (Bhupesh Bhardwaj) के नाम से जाना ,पढ़ा एवं लिखा जाए

सुविचार

जीवन में हार केवल तब होती है, जब मनुष्य प्रयास करना छोड़ देता है।

— मैथिलीशरण गुप्त

कल का पंचांग

तिथि	त्रयोदशी	06:21-07:59 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	श्रवण	10:51-12:47 तक	माह	श्रावण
सूर्योदय		5:55 AM	चन्द्रोदय	05:47 PM
सूर्यास्त		6:47 PM	चंद्रास्त	04:53 AM
सूर्य राशि		सिंह राशि	चंद्र	मकर राशि
शुभ मुहूर्त		11:58AM –12:46 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:19-05:07
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		12:21 PM: 01:57 PM	वार	बुधवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

महंगी राखी नहीं,रक्षासूत्र का धागा दिलाएगा पूरा आशीर्वाद

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन केवल भाई की कलाई पर धागा बांधने का पर्व नहीं, बल्कि प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का उत्सव है। इस बार 28 अगस्त को रक्षाबंधन मनाया जाएगा। बाजार में सोने-चांदी से लेकर बेहद आकर्षक राखियां उपलब्ध हैं, लेकिन धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रक्षासूत्र बांधने की अपनी अलग परंपरा है। ऐसे में राखी खरीदने से पहले उसके रंग, सामग्री और धार्मिक महत्व को जानना भी जरूरी है।

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार रेशम या सूती धागे से बना रक्षासूत्र शुभ माना जाता है। लाल, पीले और सफेद रंग के धागों को विशेष महत्व दिया जाता है। इन्हें क्रमशः ब्रह्मा, विष्णु और महेश से जोड़कर देखा जाता है। यदि तीन रंगों वाली राखी उपलब्ध न हो तो लाल और पीले धागे का रक्षासूत्र भी बांधा जा सकता है। कई परंपराओं में राखी पर चंदन लगाने की भी मान्यता है।

चंदन को पवित्रता, शीतलता और सकारात्मकता का प्रतीक माना जाता है। आजकल रुद्राक्ष और तुलसी के मनकों वाली राखियां भी खूब पसंद की जा रही हैं। धार्मिक दृष्टि से रुद्राक्ष का संबंध भगवान शिव और तुलसी का संबंध भगवान विष्णु से माना जाता है।

सोने चांदी की राखी से पहले ये नियम जानें जरूर

राखी के धागों में छिपा है धार्मिक महत्व

महंगी राखी से ज्यादा जरूरी है पवित्र भावना

इसलिए श्रद्धालु अपनी आस्था के अनुसार ऐसी राखियां चुनते हैं।

रक्षाबंधन पर महंगी राखी खरीदना जरूरी नहीं है। साधारण मौली या कलावा भी भाई की कलाई पर पूरे प्रेम और श्रद्धा से बांधा जा सकता है। मान्यता यही है कि राखी की कीमत से अधिक बहन की भावना महत्वपूर्ण होती है।

राखी में चमड़े या धार्मिक रूप से अशुद्ध मानी जाने वाली सामग्री के प्रयोग से बचने की सलाह दी जाती है।

सोने या चांदी की राखी को लेकर भी एक विशेष मान्यता बताई जाती है। यदि कोई बहन सोने या चांदी की राखी बांधना चाहती है तो पहले भाई की कलाई पर पारंपरिक रक्षासूत्र बांधने के बाद इसे बांधा जा सकता है। ज्योतिषीय मान्यताओं में सोने का संबंध सूर्य और चांदी का संबंध चंद्रमा से माना जाता है। हालांकि रक्षाबंधन का असली महत्व आभूषणों में नहीं, बल्कि भाई-बहन के अटूट स्नेह और मंगलकामना में है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8.00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4.00 से रात 9.00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6.30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6.30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6.30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7.30 बजे तक।

पांच शुभ संयोगों में रक्षाबंधन अशुभ समय से रहें सावधान

रक्षाबंधन पर बनेंगे पांच शुभ संयोग, राहुकाल और यमगंड में राखी बांधने से बचें

यूनिक समय, मथुरा। रक्षाबंधन का पर्व इस बार 28 अगस्त को मनाया जाएगा। ज्योतिषीय गणना के अनुसार इस दिन पांच शुभ संयोग बन रहे हैं। इनमें बुधादित्य राजयोग, हंस राजयोग, सुकर्मा योग, वरलक्ष्मी व्रत और शतभिषा नक्षत्र शामिल हैं। इन संयोगों के कारण रक्षाबंधन का दिन शुभ माना जा रहा है। हालांकि राखी बांधते समय कुछ अशुभ समय का ध्यान रखना भी जरूरी बताया गया है।

सिंह राशि में सूर्य और बुध की युति से बुधादित्य राजयोग बनेगा। वहीं कर्क राशि में गुरु की स्थिति से हंस राजयोग रहेगा। सुबह 7:28 बजे से बनने वाला सुकर्मा योग पूरे दिन रहेगा। शुक्रवार और श्रावण पूर्णिमा के संयोग से वरलक्ष्मी व्रत का भी महत्व रहेगा। शतभिषा नक्षत्र भी पूरे दिन प्रभावी रहेगा। रक्षाबंधन पर इस बार भद्रा का साया नहीं है, लेकिन राहुकाल सुबह 10:46 से दोपहर 12:22 बजे तक रहेगा। इसके अलावा यमगंड दोपहर 3:35 से शाम 5:11 बजे तक रहेगा। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार इन अवधियों में शुभ कार्य करने से बचना चाहिए।

इसलिए भाई की कलाई पर राखी बांधने के लिए सुबह 5:57 से 9:48 बजे तक का समय शुभ बताया गया है। इसके बाद भी राखी बांधी जा सकती है, लेकिन राहुकाल और यमगंड से बचना उचित रहे।

पेरिस में सजेगा भारत का भव्य आध्यात्मिक धाम

यूनिक समय, मथुरा। पेरिस के बुसी-सेंट-जॉर्जेस में बने भव्य बीएपीएस स्वामीनारायण हिंदू मंदिर का सितंबर में उद्घाटन होने जा रहा है। करीब 5,000 वर्ग मीटर में फैला यह मंदिर भारतीय संस्कृति और फ्रांस के साथ मजबूत होते सांस्कृतिक संबंधों का प्रतीक माना जा रहा है। मंदिर का उद्घाटन छह सितंबर को महंत स्वामी महाराज करेंगे। इसके साथ ही दो से 14 सितंबर तक 13 दिवसीय सांस्कृतिक महोत्सव आयोजित होगा।

महोत्सव में पालकी यात्रा, वैदिक महायज्ञ, जल यात्रा, नगर यात्रा, मूर्ति प्रतिष्ठा और समर्पण सभा जैसे कार्यक्रम होंगे।

13 सितंबर को महंत स्वामी महाराज की जन्म जयंती और 14 सितंबर को हिंदू सांस्कृतिक उत्सव आयोजित किया जाएगा। आयोजकों

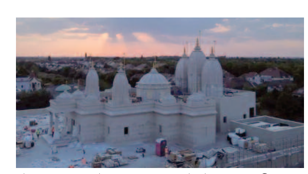

तेरह दिनों तक गूंजेंगे धार्मिक सांस्कृतिक आयोजन

के अनुसार, इस अवसर पर फ्रांस और अन्य देशों से हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है। मंदिर की वास्तुकला में पारंपरिक भारतीय शैली और आधुनिक फ्रांसीसी तकनीक का सुंदर मेल देखने को मिलेगा। परिसर में पांच शिखर, दस गुंबद, 120 खिड़कियां, नक्काशीदार स्तंभ, 49 मूर्तिकला पटल और चार छतरियां बनाई गई हैं। निर्माण में भारत समेत कई देशों से लाए गए संगमरमर और पत्थरों का उपयोग हुआ है।

कल का राशिफल

मेष: कल रुके काम पूरे होंगे, धन लाभ के अवसर मिलेंगे। परिवार में प्रसन्नता रहेगी, स्वास्थ्य सामान्य रहेगा।

वृषभ: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी, आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।

मिथुन: कल आपकी मेहनत रंग लाएगी, अधिकारियों से प्रशंसा मिलेगी। व्यापार में लाभ होगा, पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा।

कर्क: कल महत्वपूर्ण निर्णय जल्दबाजी में न लें। धन संबंधी मामलों में सावधानी बरतें।

सिंह: कल आत्मविश्वास बढ़ेगा, कार्यों में सफलता मिलेगी। व्यापारिक सौदे लाभ देंगे।

कन्या: कल मेहनत के बावजूद थोड़ी देरी हो सकती है। धैर्य रखें, धन लाभ मिलेगा और पुराने मित्र से मुलाकात होगी।

तुला: कल आर्थिक स्थिति बेहतर होगी, नई योजना सफल होगी। दांपत्य जीवन में मधुरता आएगी, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और मन प्रसन्न।

वृश्चिक: कल कार्यक्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी, लेकिन आपकी समझदारी सफलता दिलाएगी। निवेश सोचसमझ कर करें, परिवार का सहयोग मिलेगा।

धनु: कल यात्रा के योग बनेंगे, कार्यक्षेत्र में लाभ मिलेगा। रुका धन वापस मिल सकता है, प्रेम संबंध मजबूत होंगे।

मकर: कल नई जिम्मेदारियां मिलेंगी और मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा।

कुंभ: कल कारोबार में विस्तार के अवसर मिलेंगे। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है, मित्रों से सहयोग मिलेगा और तनाव घटेगा।

मीन: कल पारिवारिक विवाद सुलझेंगे, मन प्रसन्न रहेगा। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी, धन लाभ के साथ भविष्य की योजना बनेगी।

गरीबी, मेहनत और भूख पर कभी शर्म नहीं करनी चाहिए

यूनिक समय, मथुरा। आचार्य चाणक्य की नीतियों में जीवन को व्यावहारिक ढंग से समझने और कठिन परिस्थितियों में सही निर्णय लेने की सीख मिलती है। उनकी नीतियों की लोकप्रिय व्याख्याओं में ऐसी कई बातें कही गई हैं, जिनका उद्देश्य व्यक्ति को समाज के दिखावे और अनावश्यक संकोच से बचाना है। चाणक्य के अनुसार जीवन में कुछ परिस्थितियां ऐसी होती हैं, जिन्हें लेकर व्यक्ति को शर्मिंदा होने के बजाय आत्मसम्मान के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

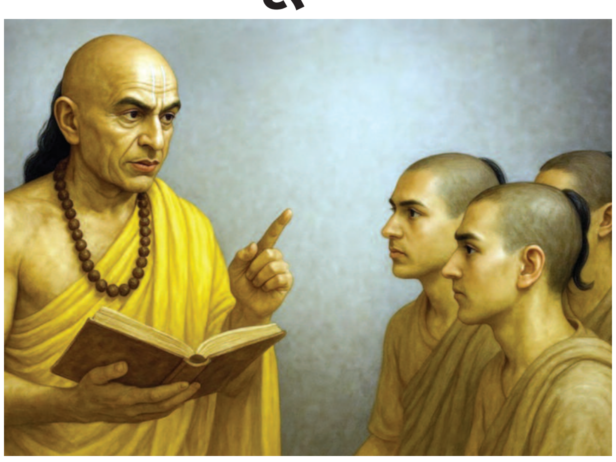

पहली बात आर्थिक स्थिति से जुड़ी है। हर व्यक्ति का जन्म समान आर्थिक परिस्थितियों में नहीं होता। किसी के परिवार में संपन्नता होती है तो किसी को अभाव में जीवन शुरू करना पड़ता है। आर्थिक कमजोरी किसी व्यक्ति की योग्यता या पहचान तय नहीं करती। ऐसे समय में हीन भावना पालने के बजाय शिक्षा, कौशल और मेहनत के जरिए परिस्थितियां बदलने की कोशिश करनी चाहिए।

दूसरी बात मेहनत और काम से जुड़ी है। कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता, यदि उसे ईमानदारी से किया जा रहा हो। नौकरी, कारोबार, सेवा या मेहनत-मजदूरी-हर काम सम्मान के योग्य है। कई बार जीवन में ऐसी परिस्थितियां आती हैं, जब व्यक्ति को अपनी पसंद से अलग काम करना पड़ता है। नौकरी जाने के बाद छोटा कारोबार शुरू करना या नया हुनर सीखकर काम करना कमजोरी नहीं, बल्कि परिस्थितियों से लड़ने का साहस है।

साधन कम हों तो हौसला कम नहीं होना चाहिए

मेहनत करने वाले हाथ कभी छोटे नहीं होते

तीसरी बात भोजन से जुड़ी है। भूख शरीर की मूल आवश्यकता है। केवल इस डर से भोजन से बचना उचित नहीं कि लोग क्या सोचेंगे। अपनी वास्तविक जरूरत को समझना और समय पर भोजन करना स्वाभाविक बात है। इसका अर्थ जरूरत से अधिक खाना नहीं, बल्कि शरीर की आवश्यकता का सम्मान करना है।

आज सामाजिक माध्यमों के दौर में तुलना की आदत तेजी से बढ़ी है। लोग दूसरों की महंगी गाड़ियां, बड़े घर, बेहतर नौकरी और चमकदार जीवन देखकर अपने साधारण जीवन को कमतर समझने लगते हैं। यही सोच धीरे-धीरे आत्मविश्वास को कमजोर करती है।

चाणक्य नीति से जुड़ी इन शिक्षाओं का व्यापक संदेश यही है कि परिस्थितियों से शर्मिंदा होने के बजाय उन्हें बदलने का प्रयास करना चाहिए। सीमित साधनों से शुरुआत करना, ईमानदारी से मेहनत करना और अपनी जरूरतों का सम्मान करना जीवन की कमजोरी नहीं, बल्कि आगे बढ़ने की पहली सीढ़ी है।

सम्पादकीय

रेलवे की थाली पर सवाल व्यवस्था कठघरे में

भारतीय रेल में सफर करने वाला यात्री टिकट के साथ एक उम्मीद भी खरीदता है–कम से कम इतना तो हो कि रास्ते में परोसा गया खाना देखकर भूख भाग न जाए। लेकिन प्रीमियम ट्रेनों में भोजन की गुणवत्ता को लेकर सामने आई शिकायतें इस उम्मीद पर ही सवाल खड़े करती हैं। मामला केवल खराब खाने का नहीं, बल्कि उस व्यवस्था का है जिसमें यात्री पहले भुगतान करता है और फिर भोजन की गुणवत्ता के लिए शिकायत करने की परीक्षा देता है। 2024–25 में भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम को खाने से जुड़ी 6645 शिकायतें मिलीं। यानी शिकायतों की संख्या इतनी कि अगर इन्हें थाली में परोसा जाए तो शायद एक पूरा रेल डिब्बा भर जाए। इनमें बासी खाना, कम मात्रा, मेन्यू की चीज गायब होना और अधिक कीमत वसूलने जैसी शिकायतें शामिल हैं। कार्रवाई भी हुई–कहीं जुर्माना, कहीं चेतावनी और कहीं सलाह। लेकिन सवाल वही है कि यात्री को सलाह कौन देगा? शिकायत करने से पहले खाना देखकर सावधान रहने की?

पवन गौतम
संपादक

मामले की पड़ताल में ठेकों की व्यवस्था पर भी सवाल उठते हैं। एक ओर कुछ कंपनियों को बड़ी संख्या में प्रीमियम ट्रेनों के ठेके मिलने की बात सामने आती है, दूसरी ओर ठेका हासिल करने के लिए तय न्यूनतम राशि से कहीं अधिक बोली लगाने का मामला भी है। यहां अर्थशास्त्र का सीधा सवाल है–यदि कोई कंपनी बहुत महंगा ठेका लेगी तो खर्च और लाभ का संतुलन कैसे बनाएगी? जवाब अगर खाने की गुणवत्ता घटाने या मात्रा कम करने में मिलता है तो नुकसान सीधे यात्री की थाली में दिखाई देता है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विडंबना यह है कि जिस यात्री ने टिकट और भोजन के पैसे पहले ही दे दिए, वही सबसे कमजोर कड़ी बन जाता है। उसे न ठेके की शर्तें पता हैं, न निविदा की बोली और न यह मालूम कि उसकी थाली में दाल कम क्यों है। उसे सिर्फ इतना पता है कि उसने पैसे पूरे दिए हैं।

यहां रेलवे और संबंधित संस्थाओं की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है। यदि किसी व्यवस्था में एक ही समूह का दबदबा बढ़ता है, प्रतिस्पर्धा कमजोर होती है और शिकायतों के बावजूद सुधार धीमा रहता है, तो समस्या केवल रसोई की नहीं, पूरी निगरानी व्यवस्था की है। रेल यात्रा में भोजन सुविधा हो सकता है, लेकिन भोजन पर समझौता सुविधा नहीं, मजबूरी बन जाता है। आखिर यात्री ट्रेन में स्वादिष्ट दावत मांग भी नहीं रहा। उसकी मांग तो बस इतनी है कि जो खाना पैसे लेकर परोसा जाए, वह खाने लायक हो। व्यंग्य यही है कि रेल की रफ्तार भले तेज हो गई हो, लेकिन थाली सुधारने की व्यवस्था अभी भी स्टेशन पर खड़ी दिखाई देती है।

नजरिया

2029 में एक देश–एक चुनाव का दांव, बदलेगा सियासी गणित

नीरज कुमार दुबे

भारतीय लोकतंत्र में चुनाव केवल सरकार चुनने की प्रक्रिया नहीं हैं, बल्कि वे जनता के मूड, क्षेत्रीय आकांक्षाओं और सत्ता के संतुलन का आईना भी होते हैं। ऐसे में 'एक देश, एक चुनाव' की चर्चा अब महज चुनाव सुधार का विषय नहीं रह गई है। इसके संभावित क्रियान्वयन को लेकर जिस तरह 2029 की तारीख राजनीतिक विमर्श के केंद्र में आती दिख रही है, उसने देश के सभी राजनीतिक दलों की रणनीतिक चिंताएं बढ़ा दी हैं। सवाल यह नहीं है कि एक साथ चुनाव होंगे या नहीं, बल्कि बड़ा सवाल यह है कि यदि ऐसा हुआ तो भारतीय राजनीति का मौजूदा चुनावी गणित कितना बदल जाएगा।

मौजूदा विधेयकों की मूल रूपरेखा के अनुसार लोकसभा और सभी विधानसभाओं के चुनावों को एक चक्र में लाने की पहली स्पष्ट संभावना 2034 के आसपास बनती है। संविधान संशोधन और केंद्रशासित प्रदेशों से जुड़े विधेयकों की जांच के लिए संयुक्त संसदीय समिति काम कर रही है। समिति राज्यों, विधायिकाओं, शिक्षाविदों, विधि विशेषज्ञों और अन्य पक्षों से विचार–विमर्श कर रही है। उसकी रिपोर्ट आने के बाद ही तस्वीर और स्पष्ट होगी। लेकिन राजनीतिक बहस ने 2034 से पहले ही 2029 को संभावित प्रयोग की जमीन बना दिया है।

यही वह बिंदु है जहां 'एक देश, एक चुनाव' का सिद्धांत राजनीतिक रणनीति से जुड़ जाता है। यदि 2029 में लोकसभा के साथ कुछ और विधानसभाओं के चुनाव कराए जाते हैं, तो चुनावी कैलेंडर को धीरे–धीरे एक चक्र में लाने का रास्ता खुल सकता है। आंध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, सिक्किम और ओडिशा जैसे राज्यों में लोकसभा के साथ विधानसभा चुनाव होने का अनुभव पहले से मौजूद है। इसलिए इन राज्यों को किसी समन्वित व्यवस्था में शामिल करना अपेक्षाकृत आसान माना जा सकता है। लेकिन असली चुनौती उन राज्यों की है, जहां विधानसभा चुनाव अलग–अलग वर्षों में होते हैं। यदि किसी सरकार का कार्यकाल पूरा होने से पहले विधानसभा भंग की जाती है, तो उसके पीछे संवैधानिक और राजनीतिक दोनों सवाल खड़े होंगे। संविधान में विधानसभा भंग करने की व्यवस्था है, लेकिन निर्वाचित सरकार का कार्यकाल घटाना केवल तकनीकी प्रक्रिया नहीं माना जा सकता। पांच वर्ष के लिए जनता से मिला जनादेश यदि समय से पहले समाप्त होता है, तो यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठेगा कि चुनाव सुधार और राजनीतिक सुविधा के बीच सीमा रेखा कहां खींची जाए।

सत्ता पक्ष के सामने इसके फायदे भी कम नहीं हैं। एक साथ चुनाव होने से चुनावों पर होने वाला खर्च घटने, बार–बार लागू होने वाली आचार संहिता से प्रशासन को मिलने वाली राहत और सरकारी मशीनरी पर पड़ने वाले चुनावी दबाव को कम करने का तर्क दिया जाता है।

राजनीतिक दलों को भी लगातार चुनावी तैयारियों में लगे रहने के बजाय शासन और संगठन पर अधिक ध्यान देने का अवसर मिल सकता है। यही कारण है कि भारतीय जनता पार्टी इस विचार के पक्ष में वातावरण बनाने की कोशिश कर रही है।

परंतु लोकतंत्र केवल प्रशासनिक सुविधा का नाम नहीं है। भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में हर राज्य की अपनी राजनीतिक प्राथमिकताएं हैं। किसी प्रदेश में बेरोजगारी बड़ा मुद्दा हो सकता है, किसी में किसान, किसी में क्षेत्रीय पहचान और किसी में स्थानीय विकास। लोकसभा चुनाव में राष्ट्रीय सुरक्षा, नेतृत्व या केंद्र सरकार के कामकाज जैसे मुद्दे प्रभावी हो सकते हैं, जबकि विधानसभा चुनाव स्थानीय सरकार के प्रदर्शन पर लड़े जाते हैं। दोनों चुनाव एक साथ होने पर क्या राष्ट्रीय मुद्दे स्थानीय सवालों पर भारी पड़ेंगे? यह आशंका विपक्ष के तर्कों का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

यहीं विपक्ष की चिंता भी समझ में आती है। यदि लोकसभा और विधानसभा चुनाव एक साथ होंगे तो राष्ट्रीय स्तर पर मजबूत संगठन और व्यापक संसाधन रखने वाले दलों को स्वाभाविक लाभ मिल सकता है। क्षेत्रीय दलों के सामने अपनी स्थानीय पहचान और मुद्दों को राष्ट्रीय चुनावी वातावरण में अलग से उभारने की चुनौती होगी। हालांकि इसका दूसरा पहलू यह भी है कि भारतीय मतदाता अक्सर लोकसभा और विधानसभा में अलग–अलग जनादेश देने की क्षमता दिखा चुका है। इसलिए यह मान लेना भी जल्दबाजी होगी कि एक साथ चुनाव का अर्थ एक ही दल को हर स्तर पर समर्थन मिलना होगा।

2029 का संभावित प्रयोग इसी कारण बेहद दिलचस्प होगा। पंजाब, हिमाचल प्रदेश, कर्नाटक, मिजोरम और तेलंगाना जैसे राज्यों के चुनावी कार्यक्रम अलग समय पर आते हैं।

मध्य प्रदेश, राजस्थान, मेघालय, नागालैंड और त्रिपुरा जैसे राज्यों की अपनी चुनावी समय–सारिणी है। ऐसे में पूरे देश को एक चुनावी चक्र में लाना किसी एक संवैधानिक संशोधन से अधिक जटिल प्रक्रिया होगी। इसके लिए राजनीतिक सहमति, संवैधानिक प्रावधानों की स्पष्टता और राज्यों की सहमति महत्वपूर्ण होगी।

संयुक्त संसदीय समिति के अध्यक्ष पी.पी. चौधरी का यह कहना कि 2029 में चुनावों को आगे बढ़ाकर एक साथ कराने का फैसला समिति के अधिकार क्षेत्र से बाहर है और यह संबंधित सरकारों पर निर्भर करेगा, इस बहस की वास्तविक जटिलता को सामने रखता है। यानी फिलहाल 2029 को अंतिम तारीख मान लेना उचित नहीं होगा। यह एक राजनीतिक संभावना है, निश्चित कार्यक्रम नहीं। फिर भी इस संभावना को हल्के में नहीं लिया जा सकता। यदि 2029 में कुछ राज्यों की विधानसभाओं को लोकसभा चुनाव के साथ जोड़ने की पहल होती है, तो उसका असर केवल चुनाव की तारीख पर नहीं पड़ेगा। राजनीतिक दलों को अपनी संगठनात्मक रणनीति बदलनी होगी। क्षेत्रीय दलों को राष्ट्रीय विमर्श के बीच अपनी जमीन मजबूत करनी होगी और राष्ट्रीय दलों को राज्यों के स्थानीय मुद्दों पर अधिक ध्यान देना पड़ेगा।

इस बहस का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष लोकतांत्रिक जवाबदेही है। चुनाव कम होना निश्चित रूप से प्रशासन के लिए सुविधाजनक हो सकता है, लेकिन जनता को अपनी सरकार बदलने या बनाए रखने का अवसर भी समय पर मिलना चाहिए। यदि किसी विधानसभा का कार्यकाल राजनीतिक गणित के कारण घटाया जाता है, तो यह सवाल अनिवार्य रूप से उठेगा कि जनता के मत की अवधि का निर्धारण कौन करेगा–मतदाता, संविधान या सत्ता का तत्कालीन समीकरण?

इसलिए 'एक देश, एक चुनाव' को केवल खर्च बचाने या चुनावी व्यस्तता कम करने के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। इसके साथ संघीय ढांचे, राज्यों की स्वायत्तता, मतदाता के अधिकार और राजनीतिक प्रतिस्पर्धा जैसे सवाल भी जुड़े हैं। व्यवस्था तभी टिकाऊ हो सकती है, जब उसे व्यापक राजनीतिक सहमति और संवैधानिक स्पष्टता मिले।

2029 इसलिए भारतीय राजनीति के लिए केवल अगला लोकसभा चुनाव नहीं होगा। यदि 'एक देश, एक चुनाव' की दिशा में कोई बड़ा कदम उठता है तो यह चुनावी व्यवस्था के पुनर्गठन की शुरुआत बन सकता है। सत्ता पक्ष के लिए यह संगठनात्मक शक्ति और राष्ट्रीय नेतृत्व को एक साथ मैदान में उतारने का अवसर होगा, जबकि विपक्ष के लिए अपने क्षेत्रीय मुद्दों और स्वतंत्र राजनीतिक पहचान को बचाए रखने की कठिन परीक्षा।

आखिरकार लोकतंत्र की असली ताकत चुनावों की संख्या में नहीं, बल्कि जनता के निर्णय की स्वतंत्रता में है।

चुनाव एक साथ हों या अलग–अलग, महत्वपूर्ण यह है कि मतदाता को अपना जनादेश देने का पूरा अधिकार मिले और चुनी हुई सरकारें जनता के प्रति जवाबदेह रहें। 2029 में चुनावी कैलेंडर बदलेगा या नहीं, यह आने वाले समय में तय होगा, लेकिन इतना तय है कि 'एक देश, एक चुनाव' ने भारतीय राजनीति के शतरंज पर कई मोहरों को पहले ही हिला दिया है। अब देखना यही है कि अगली चाल किसकी होती है और उसका असर किस दल के समीकरण पर पड़ता है।

विचार विंडो

बचपन के शौक को न भूलें, बन सकती है आपकी पहचान

बोध प्रकाश सगुणी

बचपन की दुनिया बड़ी अजीब होती है। वहां किसी चीज की कीमत उसके बाजार भाव से नहीं, उससे मिलने वाली खुशी से तय होती है। कोई बच्चा रंगीन टिकटों के पीछे भागता है, कोई सिक्के जमा करता है, कोई पत्थरों में खास आकृतियां खोजता है तो किसी को पुरानी घड़ियां, खिलौने या बोतलों के ढक्कन आकर्षित करते हैं। बड़े होने के बाद यही शौक अक्सर गैरजरूरी मानकर छोड़ दिए जाते हैं। पढ़ाई, नौकरी, परिवार और जिम्मेदारियों की दौड़ में बचपन की पसंद अलमारियों और बक्सों में बंद हो जाती है। सवाल यह है कि क्या हम उन शौकों को छोड़कर अपने भीतर का कोई जरूरी हिस्सा भी पीछे छोड़ देते हैं?

दरअसल, बचपन की हॉबी केवल समय बिताने का माध्यम नहीं होती। वह हमारी जिज्ञासा का पहला संकेत होती है। बच्चा जिस चीज को बार–बार देखता, खोजता और जमा करता है, उसमें उसकी स्वाभाविक रुचि छिपी होती है। दुर्भाग्य यह है कि हम बच्चों की इस रुचि को अक्सर पढ़ाई के मुकाबले कम महत्व देते हैं। उन्हें कहा जाता है कि इन चीजों से क्या मिलेगा, इन पर समय क्यों खराब कर रहे हो और बेहतर है कि किताब पढ़ो। किताबें जरूरी हैं, लेकिन हर सीख किताब के पन्नों से नहीं मिलती। किसी चीज को वर्षों तक संग्रहित करने वाला बच्चा अनजाने में धैर्य सीखता है। वह तुलना करता है, जानकारी जुटाता है, चीजों की पहचान करना सीखता है और छोटी–छोटी बारीकियों पर ध्यान देता है। यही गुण आगे चलकर शोध, लेखन, कला, कारोबार और विज्ञान तक में उपयोगी साबित होते हैं। इसलिए किसी बच्चे का छोटा–सा संग्रह उसके भविष्य की बड़ी संभावना भी हो सकता है।

पुणे के महेश लोणकर इसका रोचक उदाहरण हैं। बचपन में टॉर्च के प्रति पैदा हुआ आकर्षण आगे चलकर 1200 से अधिक टॉर्च के संग्रह में बदल गया। उनके पास पुरानी और ऐतिहासिक टॉर्च हैं, जिनमें कुछ युद्धकालीन दौर की भी हैं। उन्होंने केवल इन्हें खरीदा नहीं, बल्कि पुरानी टॉर्च की सफाई और मरम्मत करना भी सीखा। यानी शौक धीरे–धीरे जानकारी और कौशल में बदल गया।

यही किसी हॉबी की सबसे बड़ी ताकत है। शुरुआत में बच्चा सिर्फ वस्तुएं जमा करता है, लेकिन समय के साथ वह उन वस्तुओं के पीछे छिपी कहानी समझने लगता है। कौन–सी चीज कब बनी, किस तकनीक से बनी, उसका इस्तेमाल किस दौर में होता था और उसमें क्या खास था–ये सवाल उसे इतिहास, विज्ञान और संस्कृति के करीब ले जाते हैं। भारत में संग्रह की परंपरा भी इसी जिज्ञासा की देन रही है। अहमदाबाद के बर्तन संग्रहालय में पारंपरिक बर्तनों का बड़ा संग्रह इस बात का उदाहरण है कि सामान्य दिखने वाली वस्तुएं भी किसी समाज के इतिहास को सुरक्षित रख सकती हैं। पुराने बर्तन, खिलौने, सिक्के, डाक टिकट, घड़ियां या औजार केवल सामान नहीं होते। वे अपने समय की जीवनशैली, तकनीक और संस्कृति की कहानी कहते हैं। आज के डिजिटल दौर में इस बात की जरूरत और बढ़ गई है। बच्चों का खाली समय तेजी से मोबाइल और छोटे वीडियो खा रहे हैं। हर खाली पल मनोरंजन से भर देना आसान है, लेकिन जिज्ञासा को विकसित करना कहीं अधिक महत्वपूर्ण है। यदि बच्चा किसी विषय में लगातार रुचि दिखाता है तो माता–पिता को उसे रोकने के बजाय दिशा देनी चाहिए। जरूरी नहीं कि हर शौक भविष्य में पेशा बने। शौक का महत्व केवल कमाई में नहीं है। किसी बच्चे को सिक्के पसंद हैं तो उसे इतिहास से जोड़िए। पौधों में रुचि है तो प्रकृति की जानकारी दीजिए। चित्र बनाने में आनंद आता है तो कला के प्रयोग करने दीजिए। पुरानी वस्तुओं में रुचि है तो उनके पीछे की कहानी खोजने के लिए प्रोत्साहित कीजिए। इस तरह शौक मनोरंजन से आगे बढ़कर सीखने की प्रक्रिया बन जाता है। यहां माता–पिता की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण है। बच्चों की हर रुचि को परीक्षा और करियर की कसौटी पर कसना जरूरी नहीं। कुछ चीजें केवल इसलिए भी की जानी चाहिए क्योंकि उनसे मन प्रसन्न होता है और सोचने की क्षमता बढ़ती है। जिस बच्चे को बचपन में अपनी रुचि के साथ प्रयोग करने की स्वतंत्रता मिलती है, वह आगे चलकर नई चीजें सीखने से कम डरता है। वयस्कों के लिए भी यह संदेश उतना ही महत्वपूर्ण है। अगर बचपन में कोई शौक छूट गया है तो उसे वापस शुरू करने में देर नहीं हुई। पुरानी डाक टिकटों का संग्रह फिर से शुरू किया जा सकता है, कैमरा उठाया जा सकता है, किताबों का निजी संग्रह बनाया जा सकता है या पुराने सिक्कों की जानकारी जुटाई जा सकती है। जीवन की व्यस्तता के बीच ऐसा शौक मानसिक ताजगी भी देता है।

सबसे बड़ी बात यह है कि जिज्ञासा भी पूंजी की तरह बढ़ती है। जितना उसे समय और ध्यान मिलता है, उतनी ही वह गहरी होती जाती है। दस साल का बच्चा किसी छोटी चीज को देखकर सवाल पूछता है। यदि वह सवाल दबा दिया गया तो जिज्ञासा खत्म हो सकती है। लेकिन यदि उसे प्रोत्साहन मिला तो वही सवाल वर्षों बाद विशेषज्ञता का आधार बन सकता है।

इसलिए अगली बार जब कोई बच्चा कोई पुराना सिक्का, अनोखा पत्थर, टूटी घड़ी या बेकार समझी जाने वाली वस्तु घर लाए तो उसे डांटने से पहले एक सवाल जरूर पूछिए–तुम्हें इसमें ऐसा क्या दिखाई दिया, जो मुझे नहीं दिखाई दिया? संभव है, उस छोटी–सी चीज में बच्चे के भविष्य की बड़ी रुचि छिपी हो।

निष्कर्ष यह है कि बचपन की हॉबी को बेकार समझकर छोड़ देना आसान है, लेकिन उसे बचाए रखना आपकी जिज्ञासा, रचनात्मकता और पहचान को वर्षों तक जीवित रख सकता है।

रोहित-विराट के बिना न्यूजीलैंड में अग्निपरीक्षा

राहुल द्रविड़ ने डब्ल्यूटीसी फाइनल को लेकर क्यों जताई बड़ी चिंता

यूनिक समय, नई दिल्ली। टीम इंडिया इन दिनों श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में व्यस्त है, लेकिन उसकी नजरें सिर्फ इस सीरीज पर नहीं हैं। भारतीय टीम के सामने सबसे बड़ी चुनौती वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) 2025–27 के फाइनल में जगह बनाने की है। इसी बीच भारत के पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ ने डब्ल्यूटीसी फाइनल को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका मानना है कि भारत के लिए यहां से फाइनल का टिकट हासिल करना बिल्कुल आसान नहीं होगा। भारत इस समय डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल में पांचवें स्थान पर है। टीम को फाइनल की रेस में बने रहने के लिए आने वाले मुकाबलों में लगातार शानदार प्रदर्शन करना होगा। द्रविड़ ने ईटीपीएल टूर्नामेंट के दौरान जियोस्टार से बातचीत में कहा कि वह चाहते हैं कि भारत फाइनल में पहुंचे, लेकिन मौजूदा स्थिति को देखते हुए यह उपलब्धि आसान नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि भारत इस समय थोड़ा पीछे है, लेकिन टीम में ऐसे खिलाड़ी मौजूद हैं जो किसी भी वक्त मुकाबले का रुख बदल सकते हैं। श्रीलंका के खिलाफ मिली अच्छी शुरुआत को उन्होंने सकारात्मक संकेत बताया और उम्मीद जताई कि टीम इंडिया दूसरे टेस्ट में भी जीत हासिल करेगी। भारत ने पहले टेस्ट में श्रीलंका को 165 रन से हराया था।

हालांकि, असली परीक्षा इसके बाद शुरू होगी। अक्टूबर–नवंबर में भारत को न्यूजीलैंड का दौरा करना है, जहां टीम दो टेस्ट मैचों के अलावा पांच वनडे और पांच टी20 मुकाबले खेलेगी। न्यूजीलैंड की परिस्थितियां भारतीय बल्लेबाजों के लिए हमेशा चुनौतीपूर्ण रही हैं।

द्रविड़ ने साफ कहा कि इस दौरे पर भारत को विराट कोहली, रोहित शर्मा अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा जैसे अनुभवी खिलाड़ियों की कमी महसूस होगी। इन खिलाड़ियों के पास न्यूजीलैंड की परिस्थितियों में खेलने का लंबा अनुभव रहा है, जबकि मौजूदा टीम के कई युवा खिलाड़ियों ने वहां ज्यादा क्रिकेट नहीं खेला है।

द्रविड़ के मुताबिक न्यूजीलैंड को उसके घरेलू मैदान पर हराना आसान नहीं होता। ऐसे में युवा खिलाड़ियों के सामने खुद को साबित करने की बड़ी चुनौती होगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि भारतीय खिलाड़ी दौरे तक पूरी तरह फिट रहेंगे। यानी डब्ल्यूटीसी फाइनल तक पहुंचने की राह भारत के लिए मुश्किल जरूर है, लेकिन द्रविड़ को टीम की क्षमता पर पूरा भरोसा है। अब देखना होगा कि युवा सितारे अनुभवी दिग्गजों की गैरमौजूदगी में टीम इंडिया को डब्ल्यूटीसी फाइनल तक पहुंचा पाते हैं या नहीं।

रियल लाइफ में भी हीरो निकले यश, कियारा के लिए बने ढाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। चेन्नई में फिल्म 'टॉक्सिकः ए फेयरीटेल फॉर ग्रोन–अप्स' के प्रमोशनल इवेंट के दौरान यश और कियारा आडवाणी के साथ कुछ ऐसा हुआ, जिसने हर किसी का ध्यान खींच लिया। कार्यक्रम में दोनों कलाकार पहली कतार में बैठे थे। तभी मंच की तरफ से एक भारी धातु जैसी चीज अचानक उछलकर कियारा की ओर आने लगी। खतरा भांपते ही यश ने बिना देर किए अपना हाथ कियारा के आगे कर दिया और उन्हें बचाने की कोशिश की। गनीमत रही कि वह वस्तु कियारा की कुर्सी से कुछ इंच पहले ही जमीन पर गिर गई और किसी को चोट नहीं आई।

इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। वीडियो देखने के बाद फैंस यश की जमकर तारीफ कर रहे हैं। लोगों का कहना है कि जिस तरह उन्होंने बिना सोचे कियारा की सुरक्षा के लिए तुरंत प्रतिक्रिया दी, उससे साबित होता है कि वह पर्दे पर ही नहीं, बल्कि असल जिंदगी में भी हीरो हैं। इवेंट के दौरान कियारा ने भी यश के सहयोगी रवैये की तारीफ की।

गीतू मोहनदास के निर्देशन में बनी 'टॉक्सिक' में यश और कियारा के अलावा नयनतारा, हुमा कुरैशी, तारा सुतारिया और रुक्मिणी वसंत नजर आएंगी। फिल्म को कन्नड़ और अंग्रेजी में शूट किया गया है, जबकि हिंदी समेत कई भाषाओं में डब रिलीज होगी। यह फिल्म 26 अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए तैयार है।

'राज' की खूबसूरत भूतनी कहां गायब हो गई थीं

23 साल बाद बदली जिंदगी, सह्याद्रि में बसा लिया अपना संसार

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'राज' की रहस्यमयी भूतनी मालिनी शर्मा को शायद ही कोई भूल पाया हो। 2002 में रिलीज हुई इस हॉरर फिल्म में उनके किरदार और गाने 'आपके प्यार में हम संवरने लगे' ने उन्हें रातों–रात पहचान दिला दी थी। हालांकि करियर के शानदार दौर में ही मालिनी ने बॉलीवुड की चकाचौंध से दूरी बना ली। अब 23 साल बाद उनकी नई जिंदगी की झलक सामने आई है, जिसने पुराने फैंस को हैरान कर दिया है।

मालिनी शर्मा ने अपने करियर की शुरुआत मॉडलिंग से की थी। वह 'क्या सूरत है' और 'सावन में लग गई आग' जैसे लोकप्रिय म्यूजिक वीडियोज में नजर आईं। इसके बाद उन्होंने टीवी शो 'कैट्स' में काम किया और फिर बॉलीवुड का रुख किया। फिल्म 'राज' उनके करियर का सबसे बड़ा पड़ाव साबित हुई। विक्रम भट्ट के निर्देशन में बनी इस फिल्म में उन्होंने एक आत्मा का किरदार निभाया था, जिसे दर्शकों ने खूब पसंद किया।

कामयाबी के बावजूद मालिनी ने धीरे–धीरे फिल्म इंडस्ट्री से दूरी बना ली। उन्होंने कैमरे के पीछे रचनात्मक काम और प्रकृति से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर ध्यान देना शुरू किया। करीब एक दशक पहले उन्होंने 'द स्लो लोकल' नाम से पहल शुरू की, जिसके जरिए ऑर्गेनिक फूड, हस्तशिल्प और क्रिएटिव वर्कशॉप्स को बढ़ावा दिया।

साल 2020 के आसपास मालिनी महाराष्ट्र की सह्याद्रि पहाड़ियों में जाकर बस गईं। यहां उन्होंने फार्मस्टे शुरू किया, जहां वह प्राकृतिक खेती करती हैं और मेहमानों को ताजा जैविक भोजन उपलब्ध कराती हैं। उन्होंने अपनी जमीन के बड़े हिस्से को प्राकृतिक जंगल के रूप में भी सुरक्षित रखा है।

हाल ही में मालिनी ने सोशल मीडिया पर 'द स्लो लोकल डायरीज' के जरिए वापसी की है। बिना ग्लैमर और मेकअप के उनका प्राकृतिक अंदाज देखकर फैंस उन्हें पहचानकर भावुक हो गए। आज वह फार्मस्टे चलाने के साथ प्राकृतिक तेलों का काम और वर्क–फ्रॉम–होम जॉब भी करती हैं। बॉलीवुड की चकाचौंध से दूर मालिनी ने अब प्रकृति के बीच अपनी एक शांत और बिल्कुल अलग दुनिया बना ली है।

गोविंदा संग विवाद के बीच खाटू श्याम पहुंचीं सुनीता आहूजा

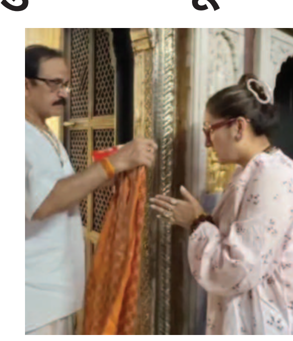

यूनिक समय, नई दिल्ली। गोविंदा और सुनीता आहूजा की शादीशुदा जिंदगी को लेकर इन दिनों लगातार चर्चाएं हो रही हैं। इसी बीच सुनीता आहूजा राजस्थान के प्रसिद्ध खाटू श्याम मंदिर पहुंचीं, जहां उन्होंने बाबा के दर्शन कर पूजा–अर्चना की। इसके बाद उन्होंने बालाजी धाम में भी माथा टेका। मंदिर में पूजा करते हुए सुनीता के वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं। सामने आए वीडियो में सुनीता हाथ जोड़कर खाटू श्याम के दरबार में खड़ी नजर आ रही हैं और पूरी तरह भक्ति में डूबी दिखाई देती हैं। एक अन्य वीडियो में वह हनुमान मंदिर में भगवान के सामने सिर झुकाकर पूजा करती दिखीं। सुनीता ऐसे समय मंदिर पहुंची हैं, जब गोविंदा के साथ उनके रिश्ते को लेकर लगातार तरह–तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

हाल ही में राखी सावंत के साथ बातचीत के दौरान सुनीता ने कथित तौर पर कहा था कि उन्होंने तलाक की अर्जी इसलिए वापस ली थी क्योंकि गोविंदा दूसरी शादी की योजना बना रहे थे। हालांकि, गोविंदा के मैनेजर शशि सिन्हा ने इस दावे को पूरी तरह खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि अभिनेता की दूसरी शादी की कोई योजना नहीं है और सुनीता ही उनकी पत्नी हैं। इस बीच गोविंदा ने एआई जनरेटेड और डीपफेक कंटेंट को लेकर कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी है।

परिवार के इस विवाद के बीच कश्मीरा शाह ने सुनीता का खुलकर समर्थन किया है। उन्होंने कहा कि सुनीता लंबे समय तक चुप रहीं और अगर अब वह अपनी आवाज उठा रही हैं, तो इसके पीछे कोई गंभीर वजह जरूर होगी। ऐसे में सुनीता का खाटू श्याम और बालाजी धाम पहुंचना भी चर्चा का विषय बना हुआ है।

भारत–श्रीलंका टेस्ट में आईसीसी का एक्शन जारी

अब प्रभात जयसूर्या पर गिरी गाज, गुस्से में बल्ला मारना पड़ा भारी

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत और श्रीलंका के बीच खेले जा रहे दूसरे टेस्ट मैच में खिलाड़ियों पर आईसीसी की सख्ती लगातार जारी है। यशस्वी जायसवाल और असिथा फर्नांडो के बाद अब श्रीलंका के स्पिन गेंदबाज प्रभात जयसूर्या भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की चपेट में आ गए हैं। आईसीसी ने जयसूर्या को नियम तोड़ने के मामले में आधिकारिक तौर पर फटकार लगाई है। साथ ही उनके अनुशासनात्मक रिकॉर्ड में एक डिमेरिट पॉइंट भी जोड़ दिया गया है। दरअसल, कोलंबो टेस्ट के दूसरे दिन श्रीलंका की पारी के दौरान प्रभात जयसूर्या को नाइटवॉचमैन के रूप में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया था। दिन का खेल खत्म होने वाला था, लेकिन जयसूर्या ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके। उन्होंने महज दो रन बनाए और मानव सुथार की गेंद पर आउट हो गए। आउट होने के बाद पवेलियन लौटते समय जयसूर्या अपना गुस्सा नहीं रोक पाए। बाउंड्री के पास पहुंचते ही उन्होंने गुस्से में अपना बल्ला बाउंड्री वेज पर दे मारा। उनका यह व्यवहार आईसीसी के नियमों के खिलाफ था। इसी वजह से उन्हें आईसीसी के प्लेयर्स और प्लेयर सपोर्ट स्टाफ के लिए कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.2 के उल्लंघन का दोषी पाया गया।

यह नियम अंतरराष्ट्रीय मुकाबले के दौरान क्रिकेट उपकरण, कपड़ों, ग्राउंड इक्विपमेंट या मैदान की फिटिंग का गलत इस्तेमाल करने से संबंधित है। जयसूर्या ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है और आईसीसी की सजा को भी मान लिया है। ऐसे में मामले में किसी औपचारिक सुनवाई की जरूरत नहीं पड़ी।

खास बात यह है कि इस टेस्ट मैच में जयसूर्या आईसीसी की कार्रवाई झेलने वाले तीसरे खिलाड़ी हैं। इससे पहले भारतीय बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और श्रीलंकाई तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो पर भी कार्रवाई हो चुकी है। दोनों खिलाड़ियों पर मैदान में हुई बहस के बाद मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था और एक–एक डिमेरिट पॉइंट दिया गया था।

काशी में 15 घंटे बारिश से जनजीवन अस्तव्यस्त, सड़कें बनीं तालाब

बारिश का पानी घरों में घुसा

अस्पताल पहुंचने को मरीजों को कंधे पर ढोया

यूनिक समय, वाराणसी। पूर्वी उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही मानसूनी बारिश से जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। वाराणसी में करीब 15 घंटे हुई तेज बारिश के बाद शहर के कई इलाकों में भारी जलभराव हो गया। सड़कें और गलियां तालाब में तब्दील हो गईं, जबकि कई घरों और दुकानों में पानी घुस गया। जगह-जगह तीन से चार फीट तक पानी भरने से वाहन फंस गए। काशी हिंदू विश्वविद्यालय के अस्पताल परिसर में भी घुटनों तक पानी भर गया। मरीजों और उनके तीमारदारों को अस्पताल तक पहुंचने में परेशानी हुई। कई लोग मरीजों को कंधे पर बैठाकर जलभराव पार कराते दिखाई दिए। जौनपुर में भी कई घंटे से हो रही बारिश के कारण सड़कों पर पानी भर गया।

भारी बारिश के चलते वाराणसी में सभी विद्यालय बंद कर दिए गए हैं। कई अन्य जिलों में भी कक्षा आठ तक के विद्यालयों में अवकाश घोषित किया गया है। मौसम विभाग ने प्रदेश के सभी जिलों में गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना जताई है।

उधर, लगातार बारिश से नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। कई जिलों में बाढ़ का खतरा बढ़ गया है। लखीमपुर में शारदा नदी के बांध का हिस्सा कटने से आसपास के गांवों पर संकट मंडरा रहा है। बदायूं और ललितपुर में भी नदी का पानी सड़कों और पुलों के ऊपर से बह रहा है। प्रशासन ने प्रभावित क्षेत्रों में निगरानी बढ़ा दी है।

स्कूलों में हिजाब पर इलाहाबाद हाईकोर्ट का फैसला

यूनिफॉर्म नियम सभी विद्यार्थियों पर समान रूप से लागू होगा

यूनिक समय, प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने निजी विद्यालय में हिजाब पहनकर कक्षा में बैठने की अनुमति मांगने वाली नाबालिग छात्रा की याचिका खारिज कर दी। न्यायमूर्ति जेजे मुनीर और न्यायमूर्ति इंद्रजीत शुक्ला की खंडपीठ ने कहा कि विद्यालय में निर्धारित वेशभूषा के नियम का पालन सभी विद्यार्थियों के लिए समान रूप से होना चाहिए। किसी एक छात्र या छात्रा को अलग छूट देने से संस्थागत अनुशासन प्रभावित हो सकता है।

छात्रा ने अपनी मां के माध्यम से याचिका दाखिल कर कहा था कि वह कक्षा छह से दस तक हिजाब पहनकर विद्यालय जाती रही है। अब ग्यारहवीं कक्षा में भी हिजाब पहनने की अनुमति मांगी गई थी। विद्यालय प्रशासन ने

निजी पसंद से संस्थागत अनुशासन नहीं बदला जा सकता

कोर्ट ने धार्मिक आस्था पर रोक से इनकार किया

समान वेशभूषा का हवाला देते हुए अनुमति देने से इनकार कर दिया था।

कोर्ट ने कहा कि वेशभूषा तय करना विद्यालय प्रशासन के अधिकार क्षेत्र में है। यदि नियम सभी विद्यार्थियों पर समान रूप से लागू होता है और भेदभावपूर्ण नहीं है तो व्यक्तिगत पसंद के आधार पर उसमें बदलाव की मांग नहीं की जा सकती।

पीठ ने कहा कि विद्यालय छात्रा की धार्मिक आस्था पर रोक नहीं लगा रहा, बल्कि निर्धारित वेशभूषा का पालन करने की अपेक्षा कर रहा है। अदालत ने हिजाब को इस्लाम की अनिवार्य धार्मिक प्रथा मानने संबंधी दावे पर भी विचार किया।

इस मुद्दे पर देश की शीर्ष अदालत में पहले अलग-अलग राय सामने आ चुकी हैं और मामला अब भी अंतिम निर्णय की प्रतीक्षा में है।

कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेसवे में लगातार धंसने से बढ़ी चिंता

लोकार्पण स्थल की सर्विस रोड में भी दरारें आईं

अंडरपास में दरार कई जगह सड़क क्षतिग्रस्त मिली

यूनिक समय, लखनऊ। कानपुर-लखनऊ एक्सप्रेस-वे के लोकार्पण के कुछ ही दिनों बाद सड़क की गुणवत्ता को लेकर सवाल उठने लगे हैं। सोमवार को झाऊ खेड़ा गांव के पास स्थित विश्राम क्षेत्र की सर्विस रोड में करीब 40 मीटर लंबी दरार पड़ गई। खास बात यह है कि इसी स्थान पर 13 जुलाई को लोकार्पण के दौरान आधुनिक तकनीक से बने एक्सप्रेसवे की प्रदर्शनी लगाई गई थी।

लखनऊ-कानपुर मार्ग पर बाबाखेड़ा के पास बने अंडरपास के पुल में भी गहरी दरार दिखाई दी है। डिवाइडर चटककर एक ओर झुक गया है। किमी 58 के पास सड़क दबने से पहियों के निशान बन गए हैं और ऊपरी परत उखड़कर गिट्टी फैल गई है। किमी 48.9 पर सड़क किनारे की मिट्टी करीब पांच मीटर तक धंस गई। बताया गया कि उन्नाव-लखनऊ के बीच 45 किलोमीटर हिस्से में अब तक बड़ी संख्या में मरम्मत और पैबंद लगाने का काम किया जा चुका है। कई स्थानों पर सड़क दोबारा बनाई गई है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की तकनीकी जांच रिपोर्ट का अभी इंतजार है। निर्माण कंपनी का कहना है कि बारिश के कारण मिट्टी धंसने से कुछ स्थानों पर नुकसान हुआ है और मरम्मत लगातार कराई जा रही है।

मुरादाबाद में तेंदुए ने महिला को मार डाला

यूनिक समय, मुरादाबाद। मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा क्षेत्र में तेंदुए का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार सुबह बहापुर बलिया गांव में धान के खेत में घास निकाल रही 45 वर्षीय मिथलेश देवी पर तेंदुए ने हमला कर दिया। तेंदुआ महिला को घसीटकर खेत में ले गया। पास मौजूद पति और ग्रामीण जब तक मौके पर पहुंचे, महिला की मौत हो चुकी थी। घटना के बाद गांव में दहशत फैल गई और ग्रामीणों में वन

धान के खेत में घास निकालते समय हुआ हमला

आठ दिन में दूसरी महिला की मौत से दहशत

विभाग के खिलाफ नाराजगी है। क्षेत्र में आठ दिन के भीतर तेंदुए के हमले में यह दूसरी महिला की मौत है।

इससे पहले तीन अगस्त को लालापुर पीपलसाना में महिला की जान गई थी। 15 अगस्त को राईभूड़ और बहापुर बलिया में दो किसानों पर भी तेंदुए ने हमला किया था। वन विभाग के अनुसार जिले में अब तक नौ तेंदुए पकड़े जा चुके हैं। इनमें सात को दूसरे स्थानों पर भेज दिया गया है, जबकि दो अभी डियर पार्क में हैं। ठाकुरद्वारा और कांठ क्षेत्र में निगरानी और तेंदुआ पकड़ने का अभियान जारी है।

आगरा में बैग से मिले शव के टुकड़ों का चेन्नई कनेक्शन

यूनिक समय, आगरा। आगरा कैंट रेलवे स्टेशन पर पांच अगस्त को लाल ट्रॉली बैग में मिले शव के टुकड़ों की पहचान ओडिशा निवासी 38 वर्षीय हयातुन निशा के रूप में हुई है। पुलिस जांच में हत्या का तार चेन्नई के गुदुवांचेरी से जुड़ा मिला। महिला की हत्या के बाद शव को कई हिस्सों में काटकर ट्रॉली बैग में रखा गया और आगरा भेजा गया।

जांच के दौरान चेन्नई स्थित एक मकान से महिला का कटा सिर और शरीर के कुछ अन्य अवशेष भी बरामद हुए। पुलिस को आशंका है कि हत्या के पीछे आपसी संबंध और विवाद की भूमिका रही है। महिला के साथ रहने वाले असम निवासी माणिकउद्दीन

महिला की हत्या कर शव के टुकड़े किए गए

350 कैमरों की जांच से संदिग्धों तक पहुंची पुलिस

लश्कर और भगवती माझी की तलाश की जा रही है।

आगरा पुलिस ने चेन्नई रेलवे स्टेशन की करीब 350 सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली। इसमें तीन अगस्त की रात एक युवक और युवती लाल बैग ले जाते दिखाई दिए। इसी सुराग से पुलिस गुदुवांचेरी तक पहुंची। मामले की जांच अब चेन्नई रेलवे पुलिस को सौंप दी गई है। फरार संदिग्धों की तलाश जारी है।

यूपी में युवाओं के रोजगार पर सरकार का बड़ा दांव

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। मंगलवार को होने वाली मंत्रिमंडल की बैठक में सरदार वल्लभ भाई पटेल रोजगार एवं औद्योगिक विकास योजना सहित 19 से अधिक प्रस्तावों पर निर्णय लिया जा सकता है। योजना के माध्यम से युवाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने और औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा देने पर जोर रहेगा।

बैठक में चार सौ करोड़ रुपये की लागत से नई इलेक्ट्रिक बसें खरीदने का प्रस्ताव भी रखा जाएगा। इन बसों को परिवहन विभाग के बेड़े में शामिल किया जाएगा। इससे सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था मजबूत होने के साथ रोजगार के नए अवसर पैदा होने की

उम्मीद है।

सरकार जन सेवा केंद्र की नई परियोजना को भी मंजूरी दे सकती है। जन सेवा केंद्र के माध्यम से आय, जाति, निवास प्रमाणपत्र समेत विभिन्न सरकारी सेवाओं से जुड़े दस्तावेज उपलब्ध कराए जाते हैं। पुरानी परियोजना की अवधि समाप्त होने के बाद नई व्यवस्था लागू करने की तैयारी है। इसके अलावा पुलिस विभाग के लिए 1,323 नए वाहन खरीदने, निजी अस्पतालों में निवेश को बढ़ावा देने और पुलिस में कुशल खिलाड़ियों की भर्ती से जुड़े प्रस्ताव भी बैठक में रखे जाएंगे। सरकार सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के पास एकीकृत विनिर्माण एवं मालवहन क्षेत्र विकसित करने के प्रस्ताव पर भी विचार करेगी। झांसी

कैबिनेट में रोजगार उद्योग और परिवहन से जुड़े प्रस्ताव पर हो सकता है निर्णय

एक्सप्रेसवे और औद्योगिक गलियारों को भी मिलेगी गति

चार सौ करोड़ से खरीदी जाएंगी नई इलेक्ट्रिक बसें

संपर्क एक्सप्रेसवे तथा गंगा एक्सप्रेसवे को मेरठ से हरिद्वार तक विस्तार देने से जुड़े प्रस्ताव भी चर्चा में आएंगे। हथकरघा बुनकरों, साक्षरता कार्यक्रम और पर्यटन विकास से संबंधित योजनाओं को भी मंजूरी मिलने की संभावना है।

तेजपाल को दो सप्ताह में जेल जाने का सुप्रीम कोर्ट का आदेश

न्यायालय ने प्रमाणपत्र जमा करने का दिया निर्देश

वरिष्ठ वकीलों ने आत्मसमर्पण पर उठाए सवाल

यूनिक समय, नई दिल्ली। दुष्कर्म मामले में दोषी ठहराए गए तहलका पत्रिका के पूर्व प्रधान संपादक तरुण तेजपाल को सुप्रीम कोर्ट से राहत नहीं मिली। न्यायालय ने मंगलवार को उनकी सरेंडर से छूट की याचिका खारिज करते हुए दो सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया। न्यायालय ने स्पष्ट किया कि आत्मसमर्पण का प्रमाणपत्र जमा होने के बाद ही उनकी अपील पर आगे सुनवाई की जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि तेजपाल आत्मसमर्पण के बाद संबंधित प्रमाणपत्र न्यायालय में दाखिल करें। यदि प्रमाणपत्र 22 सितंबर या उससे पहले जमा होता है तो उनकी अपील को उसी दिन सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जाएगा। तेजपाल ने बंबई हाईकोर्ट के छह अगस्त के फैसले को चुनौती दी है। हाईकोर्ट ने 2013 के यौन उत्पीड़न मामले में उन्हें दोषी ठहराते हुए दस वर्ष की जेल की सजा सुनाई थी।

तेजपाल की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अमन लेखी ने दलील दी कि आपराधिक अपील सूचीबद्ध होने से पहले आत्मसमर्पण करना अनिवार्य कानूनी शर्त नहीं है। उन्होंने हाईकोर्ट द्वारा दिए गए चार सप्ताह के समय का भी हवाला दिया।

वकीलों ने कहा कि अपील पर सुनवाई शुरू होने से पहले कुछ दिनों के लिए जेल भेजने का कोई औचित्य नहीं है। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने उनकी दलील स्वीकार नहीं की और आत्मसमर्पण को आवश्यक माना।

तेजपाल पर वर्ष 2013 में एक महिला पत्रकार के यौन उत्पीड़न का मामला दर्ज हुआ था। इस मामले में लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद बंबई हाईकोर्ट ने उन्हें दोषी ठहराते हुए दस साल की सजा सुनाई। अब उनकी अपील पर आगे की सुनवाई आत्मसमर्पण प्रमाणपत्र दाखिल होने के बाद होगी। न्यायालय के आदेश से फिलहाल तेजपाल के सामने निर्धारित अवधि में आत्मसमर्पण करना अनिवार्य हो गया है।

बीपीएससी परीक्षा रद्द कराने को पटना में छात्रों का हंगामा

छात्रों पर लाठीचार्ज, पथराव से कई पुलिसकर्मी घायल

टीआरई–4 में बदलाव समेत कई मांगों को लेकर प्रदर्शन जारी

वाटर कैनन के बाद डाकबंगला पर बढ़ा तनाव

छात्रों की प्रमुख मांगों पर सरकार से जवाब मांगा

यूनिक समय, नई दिल्ली। पटना में बिहार लोक सेवा आयोग की 70वीं परीक्षा और शिक्षक भर्ती परीक्षा टीआरई–4 से जुड़ी मांगों को लेकर मंगलवार को छात्रों का प्रदर्शन उग्र हो गया। गर्दनीबाग से मुख्यमंत्री आवास का घेराव करने निकले छात्रों को जेपी गोलंबर और डाकबंगला चौराहे पर पुलिस ने रोकने की कोशिश की। प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेडिंग तोड़कर आगे बढ़ने का प्रयास किया, जिसके बाद पुलिस ने पानी की बौछार की और बाद में लाठीचार्ज किया।

पुलिस कार्रवाई के दौरान एक छात्र के सिर में चोट लगने की सूचना है, जबकि एक छात्रा के बेहोश होने की बात सामने आई। दूसरी ओर, प्रदर्शनकारियों की ओर से हुए पथराव में नगर पुलिस उपाधीक्षक कामाख्या नारायण सिंह समेत कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की सूचना है। डाकबंगला चौराहे पर प्रदर्शनकारियों और केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के जवानों के बीच धक्का–मुक्की भी हुई। छात्र टीआरई–4 परीक्षा में एक चरण की व्यवस्था, नकारात्मक अंक हटाने और शत–प्रतिशत स्थानीय निवास व्यवस्था लागू करने की मांग कर रहे हैं। इसके अलावा 70वीं बीपीएससी परीक्षा में कथित अनियमितताओं की जांच और परीक्षा रद्द करने की मांग भी उठाई जा रही है। छात्र नेताओं का कहना है कि वे कई दिनों से गर्दनीबाग में धरना दे रहे हैं, लेकिन सरकार की ओर से ठोस आश्वासन नहीं मिला।

प्रदर्शन के बीच बीपीएससी परीक्षा नियंत्रक के विवादित बयान को लेकर भी छात्रों में नाराजगी दिखाई दी। बयान पर विवाद बढ़ने के बाद परीक्षा नियंत्रक ने सार्वजनिक रूप से माफी मांगी। मुख्यमंत्री ने उन्हें निलंबित करने के निर्देश दिए हैं। फिलहाल डाकबंगला समेत पटना के कई प्रमुख मार्गों पर भारी पुलिस बल तैनात है और यातायात भी प्रभावित हुआ है।

जहरीले सांप के डसने से तीन छात्राओं की मौत

पांच जिम्मेदारों पर मुकदमा दो अधिकारी निलंबित

आश्रमशाला की मान्यता रद्द परिवारों को सहायता मंजूर

यूनिक समय, नई दिल्ली। गडचिरौली के जपतलाई स्थित आदिवासी आश्रमशाला के छात्रावास में सर्पदंश से तीन छात्राओं की मौत के बाद प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुख्याध्यापक, महिला अधीक्षिका, पुरुष अधीक्षक सहित संस्था के अध्यक्ष और सचिव के खिलाफ मामला दर्ज किया है। घटना 10 अगस्त की रात हुई थी। छात्रावास के कमरे में सांप घुसने से कई छात्राएं इसकी चपेट में आ गईं। उपचार के दौरान दीपिका ऐतवा लकड़ा, सुष्मिता सरोजीत मंडल और अनु गजुराम कोरेटी की मौत हो गई थी।

जांच समिति की रिपोर्ट में कथित लापरवाही सामने आने के बाद पुलिस ने पांच लोगों पर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया। आदिवासी विकास विभाग ने सहायक प्रकल्प अधिकारी और विस्तार अधिकारी को निलंबित कर दिया। वहीं, आश्रमशाला की मान्यता भी रद्द कर दी गई है। मृत छात्राओं के परिवारों को मुख्यमंत्री सहायता निधि से पांच–पांच लाख रुपये देने की मंजूरी मिली है। कांग्रेस विधायक विजय वडेट्टीवार ने घटना को लेकर सरकार से सुरक्षा व्यवस्था पर जवाब मांगा है।

पायलटों की सालाना जांच अनिवार्य करने पर विचार

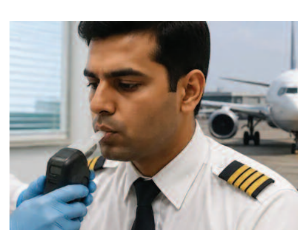

सुरक्षा के लिए सभी पायलटों की जांच संभव

फुकेत घटना के बाद सरकार ने बढ़ाई निगरानी

यूनिक समय, नई दिल्ली। सरकार विमान यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सभी विमान पायलटों का हर साल मादक पदार्थ जांच कराने पर विचार कर रही है। सूत्रों के अनुसार, नागरिक उड्डयन महानिदेशालय संबंधित पक्षों से प्रस्ताव को लेकर चर्चा कर रहा है। मौजूदा व्यवस्था में प्रत्येक विमानन कंपनी के करीब दस प्रतिशत पायलटों की जांच अनिवार्य है।

सरकार अब इस दायरे को बढ़ाकर प्रत्येक पायलट तक पहुंचाने की संभावना पर विचार कर रही है। हालांकि, नियम लागू करने से पहले विमानन कंपनियों के संचालन और व्यावहारिक चुनौतियों का आकलन किया जाएगा। नागरिक उड्डयन मंत्री ने भी मौजूदा व्यवस्था में दस प्रतिशत पायलटों की जांच अनिवार्य होने की जानकारी दी है।

यह प्रस्ताव चार अगस्त को फुकेत से दिल्ली आ रही एयर इंडिया की उड़ान में हुई घटना के बाद सामने आया है। घटना में विमान की ऊंचाई अचानक बदली थी और कई यात्री घायल हुए थे। जांच के दौरान विमान के दोनों पायलटों को उड़ान ड्यूटी से हटा दिया गया था।

पीर निगाह जाते श्रद्धालुओं से भरा ट्रक खाई में गिरा, 50 लोग घायल

यूनिक समय, नई दिल्ली। हिमाचल प्रदेश के ऊना जिले में मंगलवार सुबह श्रद्धालुओं से भरा ट्रक अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। हादसे में 50 से अधिक श्रद्धालु घायल हो गए। सभी श्रद्धालु हरियाणा के करनाल जिले के इंद्री क्षेत्र के रहने वाले बताए जा रहे हैं। हादसे के बाद मौके पर चीख–पुकार मच गई।

श्रद्धालुओं का जत्था पीर निगाह धार्मिक स्थल पर माथा टेकने और भंडारा करने पहुंचा था। मंगलवार सुबह वे माता नैना देवी के दर्शन के लिए रवाना हुए। मंदिर से करीब दो किलोमीटर दूर खतरनाक मोड़ पर चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा। इसके बाद ट्रक गहरी खाई में जा गिरा। वाहन में बच्चों और महिलाओं समेत बड़ी संख्या में श्रद्धालु सवार थे।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और राहगीर मौके पर पहुंचे। उन्होंने कड़ी मशक्कत कर ट्रक में फंसे

स्थानीय लोगों ने घायलों को बाहर निकाला

श्रद्धालुओं को बाहर निकाला। घायलों को तत्काल क्षेत्रीय अस्पताल ऊना पहुंचाया गया। गंभीर हालत वाले श्रद्धालुओं को प्राथमिक उपचार के बाद चंडीगढ़ स्थित पीजीआई भेजा गया। अन्य घायलों को उपचार दिया जा रहा है।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और प्रशासन की टीमें भी मौके पर पहुंच गईं। अधिकारियों ने राहत और बचाव कार्य की निगरानी की। बताया गया कि श्रद्धालु हर वर्ष पीर निगाह दरबार में झंडा रस्म के लिए आते हैं। पुलिस ने हादसे की जांच शुरू कर दी है और वाहन चालक से जुड़ी परिस्थितियों की भी पड़ताल की जा रही है।

जाति गणना के तरीके पर कांग्रेस ने सरकार से मांगा जवाब

अलग नामों से जातियों की गिनती बिखरने का डर

खरगे–राहुल ने प्रश्नावली बदलने की मांग उठाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने जाति जनगणना की प्रक्रिया को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। दोनों नेताओं ने मौजूदा प्रश्नावली को रद्द कर राजनीतिक दलों, विशेषज्ञों और आम लोगों से विचार–विमर्श के बाद नई प्रश्नावली तैयार करने की मांग की है।

कांग्रेस का कहना है कि जातियों के अलग–अलग नाम, उपजातियां और क्षेत्रीय पहचान दर्ज होने से आंकड़े बिखर सकते हैं। इससे पिछड़े और वंचित समुदायों की वास्तविक आबादी का सही आकलन मुश्किल हो सकता है। नेताओं ने विशेष रूप से अन्य पिछड़ा वर्ग की वास्तविक संख्या सामने आने पर सवाल उठाया है। खरगे और राहुल गांधी ने जातियों की पहचान के लिए पहले से प्रमाणित सूची तैयार करने का सुझाव दिया। उन्होंने अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की तरह पिछड़े वर्गों के लिए भी सूची आधारित व्यवस्था अपनाने की बात कही। कांग्रेस नेताओं ने बिहार और तेलंगाना में हुए जातीय सर्वेक्षणों से सीख लेने का आग्रह किया है।

कांग्रेस नेताओं के अनुसार सही आंकड़ों के बिना शिक्षा, रोजगार, कल्याणकारी योजनाओं और सामाजिक न्याय से जुड़े फैसलों को प्रभावी ढंग से लागू करना कठिन होगा। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने दावा किया कि इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री को पहले भी पत्र भेजे गए हैं, लेकिन अब तक जवाब नहीं मिला है। उन्होंने सरकार से व्यापक चर्चा के बाद पारदर्शी प्रक्रिया अपनाने की मांग दोहराई।

राम रहीम को फिर मिली 21 दिन की पैरोल

यूनिक समय, नई दिल्ली। डेरा सच्चा सौदा प्रमुख गुरमीत राम रहीम सिंह को एक बार फिर 21 दिन की पैरोल मिली है। मंगलवार सुबह करीब छह बजे वह रोहतक की सुनारिया जेल से बाहर निकले। पैरोल अवधि में वह सिरसा स्थित डेरा सच्चा सौदा मुख्यालय में रहेगा। साध्वियों से दुष्कर्म के मामले में राम रहीम 20 वर्ष की सजा काट रहा है। 2017 में दोषी ठहराए जाने के बाद यह उसकी 17वीं अस्थायी रिहाई है। इससे पहले मई 2026 में उसे 30 दिन की पैरोल मिली थी और जून के अंतिम सप्ताह में वह जेल

लौटा था। जनवरी में भी उसे 40 दिन की पैरोल मिली थी।

राम रहीम को बार–बार मिलने वाली पैरोल और फरलो को लेकर विभिन्न संगठनों की ओर से सवाल उठते रहे हैं। हरियाणा के जेल नियमों में पैरोल और फरलो के अलग–अलग प्रावधान हैं।

शिकायत मिलने पर उर्वरक विक्रेताओं पर होगी कड़ी कार्रवाई

डीएपी-यूरिया की पर्याप्त उपलब्धता कालाबाजारी रोकने पर जोर

किसान संगठनों की समस्याओं पर जिलाधिकारी ने दिए निर्देश

बैठक में मौजूद डीएम चंद्रप्रकाश सिंह, सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता आदि।

यूनिक समय, मथुरा। डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में मंगलवार को जनपद के विभिन्न कृषक संगठनों के पदाधिकारियों और संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। बैठक में किसानों ने सिंचाई, बिजली, सहकारिता, पशुपालन, कृषि, मत्स्य और लघु सिंचाई विभाग से जुड़ी समस्याएं रखीं। संबंधित अधिकारियों ने समस्याओं के समाधान की जानकारी दी। डीएम ने अधिकारियों को किसानों की शिकायतों का प्राथमिकता से निस्तारण करने के निर्देश दिए। डीएम ने बताया कि जनपद में डीएपी और यूरिया पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। सहकारी और निजी बिक्री केंद्रों पर मांग के अनुसार उर्वरक उपलब्ध कराया जा रहा है। एक हेक्टेयर भूमि पर बोई गई फसल के लिए किसान अधिकतम सात बोरी यूरिया और पांच बोरी डीएपी निर्धारित प्रक्रिया के तहत खरीद सकते हैं। इसके लिए किसान पहचान पत्र, आधार और आवश्यक भूमि अभिलेख लेकर बिक्री केंद्र पर जाएं, यंत्र पर अंगूठा लगाने के बाद पर्ची अवश्य प्राप्त करें।

उन्होंने बताया कि खादर क्षेत्र के किसान लेखपाल से भूमि अभिलेख की प्रति बनवाकर उसकी छायाप्रति के आधार पर उर्वरक खरीद सकते हैं। बटाई पर खेती करने वाले किसान भूमि मालिक के आधार के माध्यम से निर्धारित प्रक्रिया के तहत खाद ले सकेंगे।

जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह ने कहा कि यदि कोई विक्रेता आवश्यक दस्तावेज और यंत्र पर अंगूठा लगवाए बिना खाद बेचता है तो इसकी शिकायत उनके मोबाइल नंबर 8273893015 पर की जा सकती है। अधिकारियों के अनुसार, जिले में यूरिया 21,291 मीट्रिक टन, डीएपी 10,890 मीट्रिक टन और एनपीके 2,984 मीट्रिक टन उपलब्ध है। किसानों से संतुलित मात्रा में रासायनिक खाद के साथ जैविक और जैव उर्वरकों का प्रयोग करने की अपील की गई। बैठक में सीडीओ डॉ. पूजा गुप्ता, एडीएम प्रशासन अमरेश कुमार, जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह सहित विभिन्न किसान संगठनों के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

उठावनी

स्व. श्रीमती सुनीता अग्रवाल

अत्यन्त दुःख के साथ सूचित करना पड़ रहा है कि हमारी पूज्यनीय माताजी श्रीमती सुनीता अग्रवाल जी (पत्नी स्व. विश्नू प्रकाश अग्रवाल) का गोलोकवास दिनांक 24.08.2026 को हो गया है। उठावनी दिनांक 26.08.2026 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरूषों की सांय 4 से 5 बजे तक नेशनल चैम्बर सरस्वती कुण्ड, मसानी लिंक रोड मथुरा पर होगी।

शोकाकुल परिवार
आशीष-पायल, अंकित-राधिका
शोमिल (हर्षित)-आकांक्षा (पुत्र-पुत्रवधु)
अमय, पार्णिका, अर्थव, शिवाये (पौत्र-पौत्री)
एवं समस्त चौधरी परिवार

प्रतिष्ठानः- निर्मल गार्डन मसानी मथुरा
ए. जी. ट्रेडर्स, लखनऊ बृजवासी एक्सपोर्टस मथुरा
मो. 7275230340, 7055177046
मायका पक्षः- श्याम सुन्दर सिघंल, बाबूलाल सिंघल, नरेन्द्र सिंघल
रवीन्द्र सिंघल एवं समस्त सिंघल परिवार (ग्वालियर)

उठावनी

स्व. श्री वीरेंद्र कुमार सारस्वत

अत्यंत दुःख के साथ सूचित किया जाता है कि मेरे पूज्य पिताजी श्री वीरेंद्र कुमार सारस्वत जी का गोलोकवास दिनांक 24.08.2026 को हो गया है। जिनकी उठावनी दिनांक 26.08.2026 दिन बुधवार को महिलाओं एवं पुरूषों की दोपहर 3 से 4 बजे तक सनातन धर्म मंदिर, रामलीला ग्राउंड, कृष्णा नगर, मथुरा पर होगी।

शोकाकुलः- श्रीमती सुषमा सारस्वत (धर्मपत्नी) सी. ए. सागर सारस्वत (पुत्र)
पूजा सारस्वत (पुत्री) एवं समस्त सारस्वत परिवार मो. 8439173878, 9719602583
ससुराल पक्षः- नवल किशोर शर्मा (नाना) बालकृष्ण शर्मा, हरिकृष्ण शर्मा (मामा)

विद्युत विभाग के दो एक्सईएन बने अधीक्षण अभियंता

प्रोन्नति पर अभियंता संघ और कर्मचारियों ने दी बधाई

यूनिक समय, मथुरा। शहरी वर्टिकल सिस्टम मथुरा में तैनात अधिशासी अभियंता वाणिज्य-2 आशीष गुप्ता और आगरा विद्युत कार्यशाला में तैनात अधिशासी अभियंता सचिन कुमार शर्मा को पदोन्नति मिली है। दोनों अधिकारियों को अधीक्षण अभियंता पद पर प्रोन्नत किया गया है। प्रोन्नति के बाद उनकी तैनाती उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन लिमिटेड में की गई है। इसकी खबर मिलते ही विद्युत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में खुशी जाहिर कर पदाधिकारियों, विभागीय इंजीनियरों तथा कर्मचारियों ने आशीष गुप्ता और सचिन कुमार शर्मा को उनकी पदोन्नति पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अधिकारियों और कर्मचारियों ने कहा कि नई जिम्मेदारी में भी दोनों अधिकारी विद्युत व्यवस्था को बेहतर बनाने और विभागीय कार्यों को गति देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में बनेगा भक्ति-संगीत और संस्कृति का संगम

कन्हैया मित्तल समेत कई प्रख्यात कलाकार देंगे प्रस्तुति

दो सितंबर से पांचजन्य प्रेक्षागृह में होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रम

यूनिक समय, मथुरा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर कान्हा की नगरी में भक्ति, संगीत और संस्कृति का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की ओर से डैम्पियर नगर स्थित पांचजन्य प्रेक्षागृह में दो से चार सितंबर तक तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। देश के कई प्रख्यात कलाकार भजन, कीर्तन, लोकगायन, नृत्य, बांसुरी वादन और सांगीतिक प्रस्तुतियां देंगे। आयोजन का मुख्य आकर्षण चार सितंबर को होने वाली प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या होगी।

दो सितंबर को दोपहर तीन बजे उद्घाटन-दीप प्रज्ज्वलन के साथ कार्यक्रम शुरू होगा। श्याम शंख वादन करेंगे। शाम 4:15 से 6:15 बजे तक भारत भूषण भजन, कीर्तन और लोकगायन प्रस्तुत करेंगे। शाम 6:15 से 7:40 बजे तक गीता शोध संस्थान और रासलीला अकादमी, वृंदावन की ओर से 'मुदरिया प्रेम एवं नंदोत्सव' की झांकी गायन और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की जाएगी। तीन सितंबर को शाम चार बजे से देवर्ष शर्मा भजन गायन करेंगे। शाम पांच से सात बजे तक कृष्णा सागर कलेक्टिव की भजन जैमिंग होगी। श्रुति अनंदिता वर्मा के निर्देशन में आरुष वर्मा, कमला बरेथ, निशु शर्मा, रालीग खान और सम्राट कुमार कृष्णा कॉन्सर्ट-डिवोशनल म्यूजिकल प्रस्तुति देंगे।

चार सितंबर को दोपहर तीन से पांच बजे तक मोहित शेवानी 'कृष्णानायन-सुनिए वो जो कभी कहा नहीं गया' प्रस्तुत करेंगे। शाम पांच से सात बजे तक हार्टफुलनेस फाउंडेशन की प्रस्तुति होगी। इसमें स्नीति मिश्रा 'कृष्णः अनंत रंग, अनंत भाव' प्रस्तुत करेंगी। अनिरबान भजन एवं बांसुरी वादन और मैत्रेयी राय भजन गायन करेंगी। शाम सात से नौ बजे तक कन्हैया मित्तल की भजन संध्या के साथ तीन दिवसीय आयोजन का समापन होगा। श्रीकृष्ण जन्मोत्सव में शामिल होने श्रद्धालुओं के लिए शहर में पांच बड़े और 21 छोटे मंच बनाए जाएंगे। इन मंचों पर ब्रज के कलाकार लोककला और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देंगे। उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की सीईओ लक्ष्मी नागप्पन ने बताया कि तीन दिवसीय आयोजन के माध्यम से ब्रज की पारंपरिक भक्ति, संगीत और सांस्कृतिक विरासत को मंचीय प्रस्तुतियों के साथ श्रद्धालुओं तक पहुंचाया जाएगा।

बाजारों में पसरा अतिक्रमण, राहगीरों का चलना भी हुआ दूभर

फुटपाथ पर कब्जे से राहगीरों का निकलना मुश्किल

रक्षाबंधन के बाद पालिका चलाएगी अतिक्रमण हटाओ अभियान

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर के मुख्य बाजार सहित गली-मोहल्लों में अतिक्रमण का आलम यह है कि लोगों का पैदल निकलना भी मुहाल हो गया है। दुकानों के आगे नालियों और फुटपाथ तक सामान सजाकर दुकानदारों ने कब्जा कर रखा है, जिससे दिनभर जाम की स्थिति बनी रहती है।

नगर के बाइपास लिंक रोड, मुख्य बाजार, सब्जी मंडी, कच्ची मंडी, शेखान गली, ओल्ड जीटी रोड, थाना रोड और बस स्टैंड रोड पर अतिक्रमण चरम पर है। आलम यह है कि दुकानदारों ने अपनी दुकानों के आगे की जगह किराए पर उठा रखी है। कहीं कपड़े के स्टॉल तो कहीं सब्जी के ठेले फुटपाथ पर लगे हैं। दो से ढाई फीट की जगह ही आम लोगों के लिए बचती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि कोई राहगीर सामान हटाने को कहता है तो दुकानदार विवाद पर उतारू हो जाते हैं। स्कूली बच्चों और महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी झेलनी पड़ती है। इधर, नगर पालिका प्रशासन की उदासीनता के चलते समस्या और बढ़ गई है। एक साल पहले पालिका ने आधा दर्जन पूर्व सैनिकों को अतिक्रमण हटाने के लिए लगाया था, तब एक महीने तक बाजार अतिक्रमण मुक्त रहे थे। लेकिन व्यवस्था हटते ही फिर से वही हाल हो गया है। इस संबंध में चेयरमैन धर्मवीर अग्रवाल का कहना है कि व्यापारियों के साथ कई बार बैठक कर अतिक्रमण न करने के लिए कहा गया है। रक्षाबंधन पर्व के बाद नगर में अभियान चलाकर अतिक्रमण को हटाया जाएगा।

भिदोनी में लगा स्वास्थ्य कैंप, 57 मरीजों की जांच कर किया उपचार

गांव भिदोनी में लगाए गए शिविर में मरीजों को देखते स्वास्थ्यकर्मी।

यूनिक समय, मथुरा। सुरीर क्षेत्र के गांव भिदोनी में मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की नौहझील और सुरीर टीम की ओर से ग्राम प्रधान बांकेलाल शर्मा के यहां स्वास्थ्य शिविर लगाया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण स्वास्थ्य जांच कराने पहुंचे। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कुल 57 मरीजों की जांच की। इनमें सर्दी-जुकाम, बुखार, खांसी, जोड़ों में दर्द और एसिडिटी जैसी समस्याओं से पीड़ित मरीज शामिल रहे। चिकित्सकों ने जांच के बाद मरीजों को आवश्यक दवाएं उपलब्ध कराईं और उनकी बीमारी के अनुसार स्वास्थ्य संबंधी जरूरी सलाह दी। इस दौरान डॉक्टरों ने ग्रामीणों को बीमारियों से बचाव के लिए साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, स्वच्छ पानी पीने और स्वास्थ्य संबंधी समस्या होने पर समय से चिकित्सकीय परामर्श लेने की सलाह दी। शिविर के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम ने ग्रामीणों को मौसम में बदलाव के दौरान होने वाली सामान्य बीमारियों से बचाव के उपाय भी बताए। शिविर में डॉ. दीपक कौशिक, अरुनेश, वार्ड बॉय अवधेश चौधरी समेत स्वास्थ्य विभाग के अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। शिविर में जांच और उपचार की सुविधा मिलने से ग्रामीणों को काफी राहत मिली।

चौकी के पास एक रात में तीन दुकानों में चोरी

यूनिक समय, कोसीकलां। नगर में पुलिस का इकबाल पूरी तरह से खत्म होता नजर आ रहा है। चोरों के हौसले इतने बुलंद हैं कि उन्होंने पुलिस चौकी के नाक के नीचे ही एक ही रात में तीन दुकानों को निशाना बना दिया, जबकि रात भर पुलिस नींद में सोती रही। बाइक सवार दो चोरों ने पहले हाईवे स्थित शमशान घाट के सामने हिंदुस्तान टायर्स की दुकान का ताला तोड़ा, सीसीटीवी तोड़ा और गल्ले से नकदी निकाल ली। इसके बाद चोरों ने बठैन गेट पुलिस चौकी से महज चंद कदमों की दूरी पर स्थित बालाजी पेंट्स एंड हार्डवेयर की दुकान के शटर का ताला तोड़ दिया और 15 से 20 हजार की नकदी और इन्वर्टर-बैटरी उठा ले गए। चोर यहीं नहीं रुके, उन्होंने तीसरी वारदात लक्ष्मी नारायण स्पेयर पार्ट्स की दुकान में भी घटना को अंजाम दिया, यहां से भी हजारों की नकदी पार कर दी। इन घटनाओं ने साफ कर दिया है कि कोसीकलां में रात्रि गश्त सिर्फ कागजों में हो रही है। चौकी के सामने चोरी होना बताता है कि चोरों में पुलिस का जरा भी खौफ नहीं बचा है। वहीं एक ही रात में तीन चोरियों से व्यापारियों में दहशत है, हर व्यापारी यही सोच रहा है कि कहीं अगला निशाना उसकी दुकान न हो। सूचना पर पहुंची पुलिस ने हमेशा की तरह सिर्फ मौका-मुआयना कर औपचारिकता पूरी कर दी। पीड़ितों ने थाने में तहरीर दी है।

सीसीटीवी में कैद हुए चोर, चेहरे भी साफ

यूनिक समय, कोसीकलां। तीन दुकानों में चोरी करने वाले दोनों चोर सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गए हैं। फुटेज में चोर दुकानों के ताले तोड़ते हुए और अंदर घुसकर सामान और नकदी चोरी करते हुए साफ दिखाई दे रहे हैं। इतना ही नहीं, सीसीटीवी में चोरों के चेहरे भी साफ दिखाई दे रहे हैं। दुकानदारों ने फुटेज पुलिस को सौंप दी है। अब देखना यह है कि इतने पुख्ता सुबूत होने के बाद भी पुलिस इन चोरों को कब तक पकड़ पाती है या फिर यह मामला भी अन्य चोरियों की तरह ठंडे बस्ते में चला जाएगा।